चैत्र शुक्ल पक्ष- 8, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 259 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

26 मार्च 2026 गुरुवार

आज का मौसम

35.8 अधिकतम

17.8 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

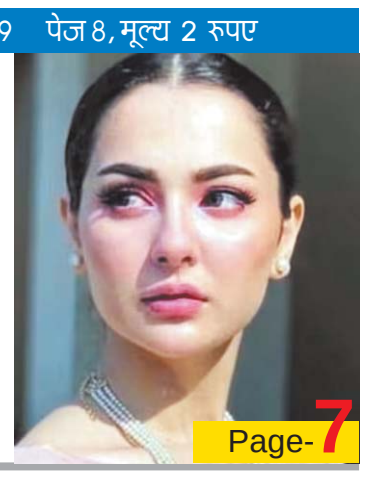

Page-7

भारत की कूटनीतिक सफलता

राहत की बात... ईरान ने भारत के लिए खोल दिया होर्मूज का रास्ता

चीन, रूस, इराक और पाकिस्तान सहित अन्य मित्र देशों के जहाज भी गुजर सकेंगे

नईदिल्ली/तेहरान. एजेंसी

भारत को कच्चे तेल और गैस की निर्बाध आपूर्ति की राह आसान होती दिख रही है। इसकी वजह है भारत के लिए होर्मुज स्ट्रेट खुल जाना। ईरान ने भारत सहित चीन, रूस, इराक और पाकिस्तान समेत सभी मित्र देशों को इस रास्ते से गुजरने की इजाजत देते हुए इसकी औपचारिक घोषणा कर दी है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने यह जानकारी मुंबई स्थित ईरानी कॉन्सुलेट के हवाले से दी है। इसे भारत की बड़ी कूटनीतिक सफलता भी माना जा रहा है।

कॉन्सुलेट के अनुसार ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि 'मित्र देशों' को होर्मुज से गुजरने की छूट है। ईरान पहले भी कह चुका है कि होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह बंद नहीं है। यह रास्ता सिर्फ उन देशों के लिए बंद है जो ईरान के खिलाफ हैं। बाकी देशों को कुछ शर्तों के साथ गुजरने की अनुमति दी जा रही है। ईरानी डिफेंस काउंसिल ने घोषणा कर रखी है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से गैर-शत्रु जहाजों का गुजरना ईरानी अधिकारियों से पूर्व तालमेल से ही हो सकेगा और इसका बहुत कड़ाई से पालन किया जाएगा। भारत अपनी जरूरत का लगभग 85 फीसदी तेल आयात करता है, जिसमें 55-60 फीसदी खाड़ी देशों से आता है। यहां होर्मुज एक अहम चोक पॉइंट है। भारत हर दिन लगभग 50 लाख बैरल तेल इस्तेमाल करता है। होर्मुज स्ट्रेट खुला रहेगा तो यह सप्लाई बिना रुकावट आती रहेगी। जंग की वजह से तेल कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा हो गई और अब माना जा रहा है कि रास्ता खुलने से कीमतें स्थिर रहेंगी। रास्ता सुरक्षित होने से ट्रांसपोर्ट लागत भी कम होगी।

उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने होर्मुज स्ट्रेट को खोलने के लिए ईरान को कहा था। जिसके बाद ईरानी विदेश मंत्री ने बयान जारी किया। यूएन महासचिव ने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा था कि होर्मुज स्ट्रेट के लंबे समय तक बंद रहने से तेल, गैस और उर्वरक की आवाजाही बाधित हो रही है इससे न केवल देश बल्कि नागरिक भी गंभीर नुकसान झेल रहे हैं और घोर असुरक्षा के माहौल में जी रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र युद्ध के परिणामों को कम करने के लिए काम कर रहा है और उन परिणामों को कम करने का सबसे अच्छा तरीका स्पष्ट है कि युद्ध को तुरंत समाप्त करें।

28 को होगी सीजफायर की घोषणा - इजराइली मीडिया

तेल अवीव। इजराइली मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शनिवार यानी 28 मार्च को ईरान के साथ सीजफायर का ऐलान कर सकते हैं, और यही संभावना इजरायल के लिए सबसे बड़ी चिंता बन गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इजरायल को डर है कि अमेरिका अचानक या एकतरफा तरीके से युद्ध रोक सकता है, ताकि ईरान के साथ बातचीत का रास्ता खोला जा सके। एक वरिष्ठ इजरायली सूत्र के हवाले से कहा गया है कि अगर ईरान कोई 'बड़ी रियायत' देता है, तो ट्रंप अस्थायी तौर पर जंग रोक सकते हैं। इसी संभावना को देखते हुए प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की अगुवाई में उच्चस्तरीय बैठक हुई, जिसमें युद्ध के आखिरी लक्ष्यों को तेजी से हासिल करने की रणनीति बनाई गई। इसी बीच एक बड़ी खबर सामने आई है कि नेतन्याहू ने सेना को निर्देश दिए हैं कि संभावित सीजफायर से पहले ईरान के हथियार ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया जाए।

बेतुके ट्रंप...

रिपब्लिकन कार्यक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति का अजीब दावा

ट्रंप बोले-मुझे सुप्रीम लीडर बनाना चाहता है ईरान, मैंने मना कर दिया

बाकेर गालिबाफ को ट्रंप ने बताया 'सबसे सही आदमी'

अपने बेतुके बयानों के लिए चर्चा में रहने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति का एक और अजीब बयान : पेज 8

इजराइल को मंजूर नहीं पाकिस्तान की सरपंची ट्रम्प को क्यों भाता है यह देश ? कारण कई हैं...

वॉर एनालिसिस

● राजेश सिरोठिया

युद्ध में सुलह के लिए पाकिस्तान पंच क्यों नहीं हो सकता? इजराइल ने क्यों नकारा पाकिस्तान की मध्यस्थता का प्रस्ताव? इस पूरी जंग में सुलह के लिए पाकिस्तान को चुनने के पीछे दरअसल क्या है ट्रम्प का पाकिस्तान गेम? क्या अमेरिका ने पाकिस्तान के साथ मिलकर एक तीर से कई शिकार करने का जो ख्वाब संजोया है, वह जमीनी धरातल पर सच हो सकेगा। इन तमाम सवालों के गहराई के साथ विश्लेषण की कोशिश करें तो सारी चीजें शीशे की तरह साफ हो जाती है। पहले बात इजरायल की और बाद में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के इरादों की।

इजरायल की हिचक के पीछे आखिर क्या है वजह

1- इज़राइल के पाकिस्तान को पंच या सरपंच की भूमिका में मंजूर नहीं करने के पीछे एक नहीं बल्कि कई कारण हैं। ये कूटनीतिक, भी हैं, रणनीतिक और वैचारिक भी हैं। बुनियादी तथ्य यह है कि इज़राइल और पाकिस्तान के बीच आज तक कोई औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं हैं। पाकिस्तान ने इज़राइल को मान्यता भी नहीं दी । जाहिर है कि किसी भी संभावित मध्यस्थता की विश्वसनीयता पहले से ही संदिग्ध है। अंतर्राष्ट्रीय सियासत में वही मध्यस्थ प्रभावी होता है, जिसके दोनों पक्षों से संवाद का बुनियादी ढांचा मजबूत हो।

2- पाकिस्तान शुरू से ही फिलिस्तीन के पक्ष में खड़ा रहा है जो इजरायल की सबसे बड़ा दुश्मन है। उसका भारत के कश्मीर को लेकर रूख भी इसी तरह का है। यह पाकिस्तान को सरपंच या पंच नहीं बल्कि पक्षकार बना देता है। जब रैफरी ही निष्पक्ष नहीं तो वह भला क्या मध्यस्थता करेगा। मशहूर शायर सुदर्शन फाकिर की पंक्तियां इसे बेहतर तरीके से बयां कर देती है- ' मेरा कातिल ही मेरा मुन्सिफ है, क्या मेर हक में फैसला देगा।' बहरहाल मामला सुरक्षा और भरोसे का है। इज़राइल की सुरक्षा नीति जीरो ट्रस्ट पर आधारित है। जरा सा जोखिम उसे स्वीकार्य नहीं है। कूटनीति में नैरेटिव या धारणा ही हकीकत बन जाती है।

3- इजराइल की पसंद भारत क्यों है, इसे समझते हैं। पाकिस्तान के संबंध ईरान और खाड़ी देशों के साथ संतुलन से जुड़े हैं। जबकि ईरान और उसके प्राक्सी आतंकी संगठनों (हमास, हिजबुल्ला, ईरानी मिलिशिया, हूती आदि) से इजरायल का सीधा टकराव है। जाहिर है कि नेत्यन्याहू की नजर में पाकिस्तान किसी संवेदनशील भू-राजनीतिक मुद्दे पर स्पष्ट और सुसंगत रुख नहीं अपना सकता। इसीलिए इजरायल के भारत में राजदूत रूविन अजार ने साफ कर दिया है कि पाक के बजाए भारत सरपंच की भूमिका के लिए सबसे बेहतर विकल्प है। भारत के इजराइल के साथ ही ईरान और अमेरिका के साथ मजबूत संबंध है। यानि केवल भारत ही ऐसा देश है जो न्यूट्रल रहकर जंग को रोकने का समाधान दे सकता है। लेकिन ट्रम्प के लिए भारत ज्यादा उपयोगी नहीं। ट्रम्प मानते हैं कि भारत उभरती हुई शक्ति है, जो अपनी रणनीतिक स्वायत्तता की हिमायती है। भारत से वह हर मुद्दे पर पाकिस्तानी हुक्मरानों और असीम मुनीर की तरह अमेरिकी लाइन को फॉलो नहीं करवा सकता।

4- ट्रम्प पाकिस्तान को इसलिए तवज्जो देते हैं कि वह उसके लिए ऐसा मोहरा है जो सिर्फ हुक्म का गुलाम है। फिर ट्रम्प की आत्मकेंद्रित सोच के चलते यह फैसला पसंद के बजाए उपयोगिता से जुड़ा है। पाकिस्तान की भौगोलिक स्थिति उसे अफगानिस्तान, मध्य एशिया और पश्चिम एशिया के बीच एक महत्वपूर्ण रणनीतिक पुल बनाती है। अमेरिकी सैन्य और खुफिया अभियानों के दौरान भी खासतौर से अफगानिस्तान को लेकर पाकिस्तान की भूमिका अहम रही है। इसके अलावा, पाकिस्तान की भूमिका चीन के साथ संतुलनकारी संवाद के चैनल की है। खुद पाक के रक्षा मंत्री अब्बासी अपनी संसद में हाल ही में यह कह चुके हैं कि अमेरिका उसे कंडोम की तरह इस्तेमाल करने के बाद कूड़े में फेंक देता है। सिर्फ मोहरा होने का इससे बड़ा सबूत क्या होगा।

न्यूज विंडो

मणिपुर में फिर उग्रवादियों ने सेना पर की फायरिंग

बिष्णुपुर। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में भारतीय सेना और उग्रवादियों के बीच बुधवार देर रात मुठभेड़ हो गई। पुलिस के अनुसार, यह गोलीबारी करीब 30 मिनट तक चली।बताया गया कि रात करीब 11:40 बजे संदिग्ध सशस्त्र कुकी उग्रवादियों ने फौलजांग/गोतोल इलाके से फौगाकचाओ आवांग लेइकाई स्थित भारतीय सेना के पोस्ट पर फायरिंग शुरू कर दी। इसके जवाब में सेना ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद दोनों ओर से गोलीबारी हुई।

मोदी और ईसी का अपमान एक्स के खिलाफ मामला दर्ज

नई दिल्ली। चुनावी राज्य केरल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चुनाव आयोग को निशाने पर लेते हुए मानहानिकारक वीडियो सोशल मीडिया एक्स पर प्रसारित किया गया। इस मामले के संज्ञान में आने के बाद केरल पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स और एक यूजर के खिलाफ शिकायत दर्ज कर ली है। केरल पुलिस की साइबर शाखा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स और उसके एक हैंडल के खिलाफ एआई से निर्मित एक वीडियो प्रसारित करने के आरोप में मामला दर्ज किया है।

आज का कार्टून

आंध्रप्रदेश: लॉरी से टकराई बस कई जिंदा जले, 14 लोगों की मौत

मार्कपुरम, एजेंसी

आंध्र प्रदेश के मार्कपुरम जिले के रायवरम के पास आज एक दिल दहला देने वाली दुर्घटना हो गई। इस हादसे में स्लैब खदानों के पास एक निजी ट्रैवल बस की टिपर लॉरी से टक्कर हो गई, जिसमें 14 लोगों की मौत हो गई। हादसे में कई लोगों के घायल होने की भी खबर है।

मार्कपुरम डीएसपी हर्षवर्धन राजू ने हादसे के बारे में बताते हुए कहा कि यह दुर्घटना उस समय हुई जब बस जगित्याला से कालिगिरी जा रही थी। टक्कर के बाद बस में आग लग गई और वह पूरी तरह से जलकर खाक हो गई। डीएसपी राजू के अनुसार, आशंका है कि इस घटना में कई यात्री जिंदा जल गए हैं। उन्होंने बताया कि यह हादसा सुबह हुआ। उन्होंने कहा कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि भीषण टक्कर की वजह से ही बस में आग लग गई थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घायलों को पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। वहीं, शवों की पहचान के लिए प्रयास जारी हैं।

बांग्लादेश में बस नदी में गिरी, 23 की मौत

बांग्लादेश में एक यात्री बस पद्मा नदी में गिर गई। हादसे में अब तक 23 लोगों की मौत हो गई है। 11 यात्रियों ने तैरकर अपनी जान बचा ली। बस में करीब 40 लोग सवार थे। हादसा राजबाड़ी जिले में दाउलादिया टर्मिनल पर हुआ। बस फेरी (बड़ी नाव) पर चढ़ रही थी। इसी दौरान ड्राइवर का कंट्रोल छूट गया और बस सीधे नदी में जा गिरी। बांग्लादेश में बसों और गाड़ियों को नदी पार कराने के लिए फेरी का इस्तेमाल होता है। प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने रेस्क्यू ऑपरेशन की जानकारी ली और जांच के आदेश दिए। रेस्क्यू टीम ने 'हमजा' नाम के जहाज की मदद से करीब 6 घंटे की मशक्कत के बाद आधी रात को बस को बाहर निकाला।

पेंट हाउस में किराएदार रखने को लेकर रहवासियों से हुआ था विवाद

बाप-बेटे ने इंफोसिस की इंजीनियर को कार से रौंदा, मौत

इंदौर, एजेंसी

यहां लसूड़िया इलाके में मामूली विवाद जानलेवा साबित हुआ । बाप-बेटे ने इंफोसिस की महिला इंजीनियर को कार से रौंद दिया । इस हादसे में महिला की मौत हो गई जबकि कॉलोनी के दो रहवासी घायल हो गए हैं। इसके साथ ही घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है।

बताया जा रहा है कि एमआर-11 स्थित शिव वाटिका, सागर टाउनशिप के समृद्धि एन्क्लेव में रहने वाले एक शख्स ने बिल्डिंग में पेंटहाउस खरीदा था। पेंट हाउस का वह एक ऐप के जरिए कॉमर्शियल उपयोग कर रहे थे। इसी बात को लेकर सोसायटी के रहवासी विरोध कर रहे थे। इस पर रहवासियों का पिता-पुत्र से विवाद हो गया था । इसी के चलते पिता-पुत्र ने तेज रफ्तार से कार चलाकर कॉलोनी के रहवासियों को रौंद दिया। इसमें इंफोसिस की इंजीनियर शंपा पाठक की मौत हो गई। शंपा कॉलोनी में कुछ दिन पहले ही पति सौरभ और दो छोटे बच्चों के साथ रहने आई थी। रहवासियों के अनुसार, बिल्डिंग में रहने वाले कुलदीप चौधरी और उनके बेटे ने बिल्डर मुकेश बाहेती से दो पेंटहाउस खरीदे थे। यहां वे रूम किराए पर दे रहे थे, जिसका सोसायटी के लोग विरोध कर रहे थे। स्थानीय पार्षद ने विवाद सुलझाने की कोशिश भी की थी। लेकिन मामले में समाधान नहीं निकला। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। अभी तक उनकी गिरफ्तारी नहीं हुई है।

केरल के सीएम बोले- राहुल में कार्यकर्ता जितनी भी समझ नहीं

तिरुअनंतपुरम. एजेंसी

केरल विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही सभी दल के नेता एक-दूसरे पर आरोप लगाने लगे हैं। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा, राहुल गांधी एक नेशनल लीडर हैं, फिर भी उन्हें कांग्रेस के एक आम लोकल वर्कर जितनी बेसिक जानकारी भी नहीं है। वे गलतियों से भी नहीं सीखते। यह समझना मुश्किल है कि उनका इतना बुरा हाल कैसे हो रहा है। राहुल और उनकी कांग्रेस देश में भाजपा की बी टीम हैं। हालांकि थरूर ने बी टीम वाली बातों को पूरी तरह से बेबुनियादी बताया। थरूर ने कहा- हमें किसी की बी टीम में कोई दिलचस्पी नहीं है क्योंकि हम केरल की ए टीम हैं।भाजपा और एलडीएफ दोनों नहीं चाहते कि कांग्रेस पार्टी राज्य में सत्ता में आए। हमारी डील केरल के लोगों के साथ है और हम यह पक्का करेंगे कि केरल के लोग और उनके हित हमारे साथ सुरक्षित रहें।

30 साल पुराने फर्जी मतदान और मारपीट केस में एक्टर राज बब्बर बरी

लखनऊ. एजेंसी

चुनाव के दौरान हिंसा के 30 साल पुराने मामले में विशेष न्यायाधीश एमपी/एमएलए ने अहम फैसला सुनाते हुए अभिनेता और पूर्व सांसद राज बब्बर को बरी कर दिया है। विशेष न्यायाधीश ने निचली अदालत के दोषसिद्धि आदेश को निरस्त करते हुए उनकी अपील स्वीकार कर ली। सुनवाई के दौरान राज बब्बर स्वयं अदालत में उपस्थित हुए। न्यायालय ने निर्णय में अदालत द्वारा सुनाई गई दो वर्ष की सजा तथा 6,500 रुपये के जुर्माने को समाप्त करते हुए उन्हें सभी आरोपों से मुक्त कर दिया। गौरतलब है कि सात जुलाई 2022 को एमपी-एमएलए मामलों के विशेष एसीजेएम ने राज बब्बर को दोषी ठहराते हुए कुल दो वर्ष की सजा तथा जुर्माना लगाया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार दो मई, 1996 को वजीरगंज थाने में मतदान अधिकारी कृष्ण सिंह राणा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

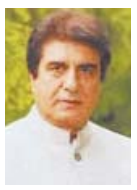

मेट्रो एंकर

पुष्पा - 2 की बराबरी करते हुए बनाया एक नया रिकॉर्ड, सिनेमाघरों में अभी भी लग रही भीड़

सिर्फ मूवी नहीं... कमाई का जैकपॉट बनी धुरंधर-2, एक हफ्ते में 1000 करोड़

मुंबई. एजेंसी

आदित्य धर के निर्देशन में बनी धुरंधर- 2 का बॉक्स ऑफिस पर तूफान थमने का नाम नहीं ले रहा है। फिल्म का क्रेज देश ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा है। वीकडेज में भी सिनेमाघरों के बाहर लंबी कतारें इस बात का सबूत हैं कि फिल्म को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक धुरंधर 2 ने रिलीज के महज 7 दिनों में ही वर्ल्डवाइड 1000 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म ने 7वें दिन विदेशी बाजार में करीब 11.92 करोड़ की कमाई की, जिससे इसकी कुल ओवरसीज कमाई 261.92 करोड़ पहुंच गई। इसके साथ ही फिल्म का कुल वर्ल्डवाइड कलेक्शन 1,006.50 करोड़ हो गया है, जो इसे इतिहास के पन्नों में दर्ज कराने के लिए काफी है। धुरंधर -2 ने इस उपलब्धि के साथ पुष्पा 2 की बराबरी करते हुए एक नया रिकॉर्ड कायम किया है। दोनों ही फिल्मों ने सिर्फ 7 दिनों में 1000 करोड़ क्लब में एंट्री ली, जो भारतीय सिनेमा के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। इतना ही नहीं, फिल्म ने एनिमल और बजरंगी भाईजान जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के रिकॉर्ड भी पीछे छोड़ दिए हैं।

भारत में भी जारी है ताबड़तोड़ कमाई

घरेलू बॉक्स ऑफिस पर भी इस मूवी का जलवा बरकरार है। फिल्म ने 7वें दिन भारत में करीब 47.70 करोड़ का नेट कलेक्शन किया। इसके साथ ही भारत में इसका कुल कलेक्शन 623.42 करोड़ तक पहुंच गया है। यह आंकड़ा अपने आप में रिकॉर्ड तोड़ है, क्योंकि किसी भी हिंदी फिल्म के लिए एक हफ्ते में इतनी कमाई करना बेहद मुश्किल माना जाता है।

टॉप 10 फिल्मों की लिस्ट में शामिल

धुरंधर 2 अब दुनिया की टॉप 10 सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों की सूची में शामिल हो चुकी है। फिल्म का अगला लक्ष्य 'कल्कि 2898' का रिकॉर्ड तोड़ना है, जिसने 1042 करोड़ की कमाई की थी। जिस रफ्तार से धुरंधर -2 आगे बढ़ रही है, उसे देखते हुए साफ है कि आने वाले दिनों में यह कई और बड़े रिकॉर्ड अपने नाम कर सकती है। रणवीर सिंह स्टारर यह फिल्म अब भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी फिल्मों में शामिल होने की ओर तेजी से बढ़ रही है।

अफवाहों के कारण कई जगह लग रही लंबी कतारें, विवाद की स्थिति भी बन रही

राजधानी के पेट्रोल पंपों पर लगी भीड़, सरकार ने कहा- पैनिक न हों, भरपूर स्टॉक

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

ईरान-इजराइल युद्ध के बीच मध्य प्रदेश में पेट्रोल पंपों पर अचानक भीड़ बढ़ गई है। अफवाहों के कारण कई जगह लंबी कतारें लग रही हैं और विवाद की स्थिति भी बन रही है। रीवा में पुलिस बुलानी पड़ी, जबकि भोपाल में एक पेट्रोल पंप सील किया गया। सरकार और पेट्रोल पंप संचालकों ने साफ किया है कि पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है। मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के मुताबिक ईंधन की आपूर्ति लगातार जारी है। पेट्रोल पंप ओनर एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय सिंह ने इसे 'पैनिक बाइंग' बताया है। अफवाह के कारण खपत अचानक बढ़ गई है। पहले जहां एक पंप पर रोज करीब 20 हजार लीटर पेट्रोल बिकता था, अब यह 40-45 हजार लीटर तक पहुंच गया है। इससे सप्लाई पर दबाव पड़ा है। प्रदेश में करीब 4200 पेट्रोल पंप हैं। इनमें से सिर्फ 1-2 फीसदी पंप ही अस्थायी रूप से सूखे हैं, जिसकी वजह ऑयल कंपनियों से क्रेडिट सुविधा बंद होना है। कई संचालक एडवांस भुगतान नहीं कर पा रहे हैं। भोपाल में कुल 192 पंप हैं और आमतौर पर 5-7 पंपों पर डिलीवरी देरी या ज्यादा खपत के कारण ऐसी स्थिति बनती रहती है।

कलेक्टर का सख्त आदेश

भोपाल में एक पेट्रोल पंप पर सिर्फ 200 रुपए का पेट्रोल देने की शिकायत पर प्रशासन ने कार्रवाई की। बाइक सवार ने खुद यह वीडियो बनाया था। जांच में गड़बड़ी मिलने पर एक डिस्पेंसिंग यूनिट सील कर दी गई और 102 लीटर डीजल जब्त किया गया। यह इतना है कि अगले 3 महीने की आपूर्ति हो जाए। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि उपभोक्ता जितना पेट्रोल/डीजल मांगे, उतना ही निर्धारित कीमत पर दिया जाए। मनमानी करने पर एफआईआर दर्ज होगी।

दावा- पर्याप्त स्टॉक, घबराएं नहीं

सरकार के अनुसार प्रदेश में पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और डिपो से लगातार सप्लाई हो रही है। कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। प्रशासन स्थिति पर नजर रखे हुए है और लोगों से अपील की गई है कि अफवाहों पर ध्यान न दें।

व्यावसायिक सिलिंडरों की आपूर्ति और वितरण की स्थिति

जिले में मंगलवार से व्यावसायिक सिलिंडरों की आपूर्ति शुरू कर दी गई है। इस तरह इंडेन, भारत व एचपी गैस एजेंसी द्वारा प्रतिदिन 750 व्यावसायिक सिलिंडर एजेंसियों को उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। अब तक दो दिन में कुल डेढ़ हजार सिलिंडर 40 गैस एजेंसियों को मिल चुके हैं, इनमें से 900 सिलिंडरों की आपूर्ति भी उपभोक्ताओं को कर दी गई है। यह सिलिंडर प्रतिशत के आधार पर ही छात्रावास, अस्पताल, मैस, होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों को आपूर्ति किए जा रहे हैं।

पावर मैनेजमेंट कंपनी ने दरों में 10.19 प्रतिशत की वृद्धि का दिया था प्रस्ताव

मध्य प्रदेश में चार से पांच प्रतिशत तक महंगी हो सकती है बिजली, एक अप्रैल से प्रभावी होंगी नई दरें

राज्य विद्युत नियामक आयोग ने जनसुनवाई की प्रक्रिया पूरी की

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं को बिजली दरों की महंगाई का झटका लगने वाला है। दरों में चार से पांच प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। पावर मैनेजमेंट कंपनी ने विद्युत वितरण कंपनियों को हो रहे 6,043 करोड़ रुपये से अधिक के घाटे की भरपाई के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में बिजली की दरों में 10.19 प्रतिशत की वृद्धि का प्रस्ताव दिया था। राज्य विद्युत नियामक आयोग ने जनसुनवाई के बाद अपनी प्रक्रिया पूरी कर ली है।

नई दरें एक अप्रैल से प्रभावी होंगी। प्रदेश में एक करोड़ 29 लाख घरेलू उपभोक्ता हैं। बिजली कंपनियां आपूर्ति की लागत के हिसाब से प्रतिवर्ष पावर मैनेजमेंट कंपनी के माध्यम से दरों को पुनरीक्षित करवाती हैं। प्रस्ताव विद्युत नियामक आयोग को भेजा जाता है, जो इस पर जनसुनवाई करके अंतिम फैसला करता है। वर्ष 2026-27 के लिए कंपनियों ने आय और व्यय के अंतर के

हवाले से बिजली की दरों में 10.19 प्रतिशत की वृद्धि की मांग की है। इसके पीछे तर्क दिया गया कि वर्ष 2014-15 से 2022 तक की अवधि में 3,451 करोड़ रुपये की वृद्धि के प्रस्ताव अस्वीकार किए गए थे, जिसके कारण समस्या आ रही है। स्मार्ट मीटर लगाने में 820 करोड़ रुपये और लगभग 300 करोड़ रुपये बिजली खरीदने में लगेंगे। इसका भार उपभोक्ताओं पर डाला जा रहा है, जबकि सरकार की ओर से यह दावा किया गया था इसका बोझ आमजन पर नहीं आएगा।

वहीं, दूसरी ओर गैर परंपरागत माध्यमों से ऊर्जा उत्पादन क्षमता 5,781 मेगावाट हो गई है। सौर ऊर्जा तीन रुपये प्रति यूनिट से भी कम दर पर मिल रही है। स्वाभाविक तौर पर इससे लागत घटनी चाहिए पर प्रस्ताव से ऐसा कहीं परिलक्षित नहीं हुआ। कंपनियों ने ऊर्जा प्रभार औसत 51 पैसे प्रति यूनिट और नीयत प्रभार प्रति 15 यूनिट 28 से बढ़ाकर 31 रुपये प्रस्तावित कर दिया। जबकि, भारत सरकार ने प्रति एक हजार किलो कोयला पर 400 रुपये लगने वाला जीएसटी भी खत्म कर दिया है।

कंपनियों को चाहिए 65,374 करोड़ का राजस्व

ऊर्जा विभाग का कहना है कि विद्युत वितरण कंपनियों को वर्ष 2026-27 में 65,374.38 करोड़ रुपये के राजस्व की आवश्यकता है। जबकि, प्रचलित दरों से 59,330 करोड़ रुपये ही राजस्व मिलने का अनुमान है। इस प्रकार देखा जाए तो आवश्यकता से 6,043 करोड़ रुपये कम राजस्व मिलना अनुमानित है। इसे आधार बनाकर 10.19 प्रतिशत दर वृद्धि मांगी गई।

एनएएसएस सेल का उद्घाटन

अंगदान के लिए एम्स में शुरू हुआ 'आभार कार्ड'

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

एम्स भोपाल ने अंगदान और प्रत्यारोपण कराने वाले मरीजों के लिए 'आभार कार्ड (एम्स भोपाल अंगदान एवं जीवन रक्षण कार्ड)' की शुरुआत। इसके तहत लाभार्थियों को ओपीडी पंजीकरण में प्राथमिकता, जरूरत के अनुसार सर्जरी में प्राथमिकता और संस्थान के प्रोटोकॉल के अनुसार जांच सेवाओं तक आसान पहुंच दी जाएगी। इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) दिगंबर बेहरा ने एम्स भोपाल में एनएएसएस सेल का उद्घाटन किया। इसका उद्देश्य मध्यभारत में अंगदान को बढ़ावा देना और ट्रांसप्लांट सेवाओं को मजबूत करना है। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को अंगदान की शपथ भी दिलाई गई।

बता दें कि एम्स भोपाल में अंगदान और प्रत्यारोपण को बढ़ावा देने की दिशा में अहम पहल की गई है। क्षेत्रीय सीएमई और कार्यशाला के दौरान 'आभार कार्ड' योजना शुरू की गई, जिसके तहत अंगदान करने वाले मरीजों के परिजनों को चिकित्सा सेवाओं में प्राथमिकता मिलेगी। कार्यक्रम में नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनएएसएस) सेल का भी उद्घाटन किया गया। इस दौरान विशेषज्ञों ने

अंगदान की जरूरत पर जोर देते हुए बताया कि एम्स भोपाल अब ट्रांसप्लांट के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है और भविष्य में नई सुविधाएं भी शुरू होने जा रही हैं।

डॉ. बेहरा ने बताया कि एम्स भोपाल में अब तक 3 हार्ट और 18 किडनी ट्रांसप्लांट हो चुके हैं। एम्स दिल्ली के बाद भोपाल दूसरा एम्स है, जहां हार्ट ट्रांसप्लांट की सुविधा उपलब्ध है, जो बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

संतनगर

सिद्धभाऊ की अभिभावकों को सीख घर में रखें सकारात्तमक वातावरण

संतनगर. नवनिध स्कूल में कक्षा पहली में प्रवेश लेने वाली छात्राओं और अभिभावकों के स्वागत, परिचय एवं दाना-पानी सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें अभिभावकों को विद्यालय की नियमावली, अपेक्षाओं तथा छात्राओं के शैक्षणिक एवं समग्र विकास से संबंधित गतिविधियों की जानकारी दी गई। संस्था के अध्यक्ष सिद्ध भाऊजी ने अभिभावकों से बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने की प्रेरणा दी। उन्होंने प्रतिदिन पक्षियों के लिए दाना-पानी रखने जैसी आदतों को बच्चों में संस्कार विकसित करने का सरल एवं प्रभावी माध्यम बताया। साथ ही उन्होंने घर में सकारात्मक वातावरण, मधुर भाषा एवं श्रेष्ठ व्यवहार अपनाने पर बल दिया। प्राचार्या अमृता मोटवानी ने में कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक बच्चे के समग्र विकास पर केंद्रित है।

साधु वासवानी का शत प्रतिशत रहा पांचवीं-आठवीं का नतीजा

संतनगर. साधु वासवानी स्कूल का कक्षा पांचवीं व आठवीं का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। परीक्षा में 281 विद्यार्थी सम्मिलित हुए। पांचवीं में प्रथम सुमित पाल 96 प्रतिशत, द्वितीय लोकेश तोतलानी 94 प्रतिशत, तृतीय पायल जाटव 93.5 प्रतिशत एवं साधु वासवानी स्कूल के कक्षा आठवीं में कुशांत जैसल 94.8 प्रतिशत, द्वितीय प्रदीप विश्वकर्मा 92.8 प्रतिशत, तृतीय रामगोपाल नागर 92.5 एवं जतिन रीझवानी 92.5 प्रतिशत एवं मुकिता इंटरनेशनल स्कूल से प्रथम दीपिका सेन 94 प्रतिशत, द्वितीय निहारिका मीणा 93.83 प्रतिशत व अंजली विश्वकर्मा 93.83 प्रतिशत, तृतीय मीनाक्षी हासले 92.83 प्रतिशत अंक हासिल किए।

संतनगर में निकली भव्य चुनरी यात्रा

संतनगर. शहर में भव्य चुनरी यात्रा निकाली गई। चिलचिलाती धूप में बड़ी संख्या में महिलाएं एवं युवतियां माता के जयकारे लगाते हुए सड़कों पर निकलीं। विराट सेवा संस्थान द्वारा आयोजित यह चुनरी यात्रा पिछले तीन वर्षों से संतनगर की एक गौरवशाली परंपरा बन चुकी है। इस वर्ष भी आयोजन की भव्यता देखते ही बन रही थी। यात्रा का शुभारंभ संकट मोचन हनुमान मंदिर से विधि.विधान के साथ पूजन कर किया गया। यहाँ से प्रारंभ होकर यात्रा नगर के मुख्य मार्गों और व्यापारिक क्षेत्रों से गुजरीए जहाँ स्थानीय निवासियों ने पुष्पवर्षा कर भक्तों का स्वागत किया। यात्रा का समापन सीहोर नाका स्थित माता मंदिर में भव्य आरती और चुनरी अर्पण के साथ हुआ। संस्थान के अध्यक्ष रामू केवट ने बताया कि चुनरी यात्रा का मुख्य उद्देश्य समाज में धार्मिक संस्कारों को पुनर्जीवित करना और सामूहिक आस्था के माध्यम से आपसी भाईचारे को सुदृढ़ करना है। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं का नेतृत्व कार्यक्रम अध्यक्ष दीपक मेहरा ने किया। यात्रा में मुख्य रूप से राम बंसल, प्रदीप मेवाड़ा, बंटी मोरकल, शुभम केवट, संतोष रजक उपस्थित रही।

मानव मन की टोह लेती हैं सरस जी की लघुकथाएं -गोविन्द शर्मा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सरस दरबारी की लघुकथाएं मन की टोह लेने वाली हैं। यह आम मध्यमवर्गीय परिवारों के बीच से उपजी हुई प्रचलित विषयों से हटकर बुनी गई लघुकथाएं हैं।

यह उदगार हैं वरिष्ठ साहित्यकार गोविन्द शर्मा खंडवा के जो लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल द्वारा आयोजित अपनी ऑन-लाइन साप्ताहिक लघुकथा गूगल गोष्ठी एवं विमर्श के आयोजन में समीक्षक के रूप में बोल रहे थे। आरम्भ में केंद्र के सचिव घनश्याम मैथिल अमृत ने स्वागत उदबोधन दिया। ततपश्चात् चित्रा राघव राना यू.एस.ए. के कुशल संचालन में कनाडा के कथाकार सरस दरबारी ने 'उड़ान' कथा का वाचन किया। यह बुजुर्ग माता पिता को छोड़ विदेश बस गये बच्चों पर केंद्रित थी। इसके अलावा सौतेली मां के रूप में बालमन में रोपित बीज को लेकर 'ज़हर', छुआछूत को नये ढंग से परिभाषित करती अहम्, कॉपी, किताब, अख़बार, कैलेंडर और नोट यानि कागज़ के माध्यम से उपयोगिता सिद्धांत पर 'मोल' और कलम तथा बंदूक को लेकर बुनी गई

लघुकथा 'मोहरे' भी पढ़ी। इन लघुकथाओं पर सुधा भार्गव, कनक हरलालका, अनीता रश्मि, नितिन उपाधये और कांता रॉय ने अपनी महत्वपूर्ण टिप्पनियां की। कार्यक्रम के अंत में लेखक सरस दरबारी ने केंद्र एवं सभी उपस्थितजनों का आभार प्रकट किया।

एमसीयू में केआर मलकानी सिंधी पत्रकारिता व संचार केंद्र की स्थापना

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद ने संयुक्त रूप से केआर मलकानी सिंधी पत्रकारिता एवं संचार केंद्र की स्थापना की है। इसके लिए बुधवार को समझौता पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। परिषद के निदेशक डॉ. सुनील कुलकर्णी और एमसीयू के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। अनुबंध होने से सिंधी युवाओं को शोध के अवसर भी मिलेंगे। इस केंद्र से सिंधी पत्रकारिता के पाठ्यक्रमों के साथ ही विविध शैक्षणिक और प्रशिक्षण की गतिविधियों का संचालन किया जाएगा।

इस अवसर पर शंकर लालवानी ने कहा कि सिंधी समाज ने धर्म की रक्षा के लिए सिंध प्रांत छोड़ा लेकिन संस्कार नहीं छोड़े। अपने परिश्रम और संस्कारों के लिए ही समाज ने देश में अलग स्थान बनाया है। समारोह को राष्ट्रीय सिंधी

भाषा विकास परिषद के निदेशक डा. सुनील कुलकर्णी ने भी संबोधित किया। परिषद के पूर्व निदेशक और दिल्ली विश्वविद्यालय के भारतीय भाषा विभाग और अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डा. रविप्रकाश टेकचंदानी ने कहा कि श्री केआर मलकानी का व्यक्तित्व विराट था। डॉ टेकचंदानी ने मलकानी जी की विभिन्न कृतियों का उल्लेख किया। लेखक और संपादक मध्य प्रदेश संदेश अशोक मनवानी ने श्री मलकानी के साथ ही स्वतंत्रता के पहले और बाद में प्रमुख सिंधी पत्रकारों के कृतित्व का उल्लेख किया। इनमें जीजी मीरचंदानी द्वारा यूनिवार्ता संवाद समिति के विस्तार और भोपाल के राजकुमार केसवानी द्वारा भीषणतम भोपाल गैस त्रासदी की पूर्व चेतावनी देने का भी उल्लेख किया।

मेट्रो एंकर

कथक की भावपूर्ण प्रस्तुतियों से सजा सांस्कृतिक संध्या का मंच

शास्त्रीय नृत्य की विविध रंगों से सजी मनमोहक प्रस्तुतियों ने मन मोहा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

वृंदा कथक केंद्र, गांधीनगर द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में शास्त्रीय नृत्य की विविध रंगों से सजी मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक मंगलाचरण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई, जिसमें मुख्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का संचालन वृंदा कथक केंद्र की निदेशक एवं प्रख्यात कथक नृत्यांगना विदुषी वी. अनुराधा सिंह के मार्गदर्शन में हुआ। इस अवसर पर एस. विनोद, राज बलराज सिंह, उर्मिला सिंह सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। प्रारंभ में केंद्र के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों द्वारा समूह प्रस्तुति दी गई, जिसमें श्रीराम वंदना, गंगा अवतरण, श्रीकृष्ण भजन एवं शारदा वंदना

जैसे भावपूर्ण अंशों ने दर्शकों को आध्यात्मिक वातावरण में बांध दिया। इसके बाद एकल प्रस्तुतियों का क्रम शुरू हुआ। प्रथम प्रस्तुति में नृत्यांगना इषिका शर्मा ने मंगलाकाली वंदना, धमार ताल (14 मात्राएं) एवं ठुमरी के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। द्वितीय प्रस्तुति में स्वयं गुरु वी. अनुराधा सिंह ने शिव वंदना, शूलफाक्ता ताल एवं तीनताल में अपनी सशक्त प्रस्तुति दी। उनके उत्कृष्ट फुटवर्क और घुंघरू वादन के साथ वायलिन की जुगलबंदी ने कार्यक्रम को विशेष ऊंचाई प्रदान की। तृतीय प्रस्तुति में तनिषा खंडेलवाल ने श्री गणेश वंदना, पंचम सवारी (15 मात्राएं) एवं राम भजन पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों की सराहना प्राप्त की। कार्यक्रम का आकर्षण ग्रैंड फिनाले रहा, जिसमें 'आम्रपाली और बुद्ध' पर आधारित नाट्य प्रस्तुति ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

अंत में सभी प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर आयोजकों ने सभी अतिथियों एवं दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सागर संभाग में फलीभूत हो रहा जल गंगा संवर्धन अभियान

भोपाल। सागर संभाग में जल संरक्षण और संवर्धन की दिशा में जल गंगा संवर्धन अभियान धरातल पर फलीभूत होने लगा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप सागर संभाग के सभी जिलों में प्राचीन तालाबों, नदियों, पोखरों और बावड़ियों को पुनर्जीवित करने के लिए चलाए गए पिछले वर्षों के अभियान के सुखद और अपेक्षित परिणाम सामने आए हैं। इसी कड़ी में इस वर्ष भी 19 मार्च, 2026 से संभाग के प्रत्येक जिले में इस अभियान का उत्साहपूर्ण शुभारंभ किया गया है। जल गंगा संवर्धन अभियान की सबसे बड़ी विशेषता जनभागीदारी रही है। सागर संभाग के हजारों नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, पंचायत पदाधिकारियों और शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों ने कंधे से कंधा मिलाकर इस पुनीत कार्य में अपना सहयोग दे रहे हैं। श्रमदान के माध्यम से प्राचीन जल स्रोतों की गाद निकालने, साफ-सफाई करने और उनके मूल स्वरूप को लौटाने का कार्य निरंतर जारी है।

सीएम ने की जंगल सफारी...

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपने जन्मदिन पर वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व पहुंचे। जहां उन्होंने जंगल सफारी का आनंद लिया।

राज्यपाल योजना के हितग्राहियों को पशुओं की देंगे सौगात

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल 1 अपैल को मुख्यमंत्री दुधारू पशु प्रदाय योजना के हितग्राहियों को दुधारू पशुओं की सौगात देंगे। कार्यक्रम मंडला जिले के विकासखंड बिछिया के ग्राम कान्हारी कला में होगा। कार्यक्रम में पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल भी उपस्थित रहेंगे। पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार पटेल ने लोकभवन पहुंचकर राज्यपाल पटेल से भेंट की। उन्होंने आगामी 1 अप्रैल को मंडला जिले के विकासखंड बिछिया के ग्राम कान्हारी कला में होने वाले मुख्यमंत्री दुधारू पशु प्रदाय योजना कार्यक्रम के बारे में राज्यपाल पटेल को जानकारी दी और उन्हें कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। राज्यपाल पटेल ने आमंत्रण को स्वीकार करते हुए कार्यक्रम में शामिल होने की सहमति प्रदान की। इस अवसर पर पशुपालन एवं डेयरी प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव भी उपस्थित रहे।

33 फीसदी महिला आरक्षण के बाद बदलेगी पॉलिटिकल पिक्चर

प्रदेश में होंगी 114 महिला विधायक 14 सांसद, सरकार में होंगे 52 मंत्री

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एमपी में 2029 का लोकसभा चुनाव 29 नहीं बल्कि 43 सीटों पर हो सकता है। वैसे ही मप्र विधानसभा में भी सीटों की संख्या 230 से बढ़कर 345 हो सकती है। दरअसल संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर केंद्र सरकार एक बड़ा संशोधन लाने की तैयारी में है।

पहले इस कानून को जनगणना 2027 के बाद लागू करने की तैयारी थी, लेकिन अब इसे जनगणना और परिसीमन की मौजूदा शर्त से अलग करके पहले लागू करना है। बताया जा रहा है कि यह महत्वपूर्ण बिल 29 मार्च को संसद में पेश किया जा सकता है।

यदि यह संशोधन विधेयक पारित होता है, तो मध्य प्रदेश की सियासी तस्वीर पूरी तरह से बदल जाएगी। इस बदलाव से न केवल महिला जनप्रतिनिधियों की संख्या में बढ़ोतरी होगी, बल्कि सीटों के गणित से लेकर सरकार बनाने के समीकरण और कैबिनेट के आकार तक सब कुछ बदल जाएगा।

पिछले साल संविधान के 106वें संशोधन के रूप में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम लोकसभा और सभी राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33त्र सीटें आरक्षित करने का प्रावधान करता है। इस कानून में अनुसूचित जाति (स्ष्ट) और अनुसूचित जनजाति (स्ज्ञ) की महिलाओं के लिए अलग से आरक्षण न होकर, उन्हें कुल आरक्षित सीटों के भीतर ही कोटा दिया गया है।

मूल कानून में यह शर्त थी कि इसे अगली जनगणना और उसके बाद होने वाले परिसीमन के बाद ही लागू किया जाएगा, जिसमें काफी समय लग सकता था। अब प्रस्तावित संशोधन इसी इंतजार को खत्म करने का एक रास्ता है। सरकार का मानना है कि 2021 में होने वाली जनगणना कोविड के कारण पहले ही लंबित है, और इस प्रक्रिया में और देरी हो सकती है। 2011 के जनगणना आंकड़ों को आधार मानकर ही सीटों का परिसीमन कर दिया जाए। इसके तहत सभी राज्यों में लोकसभा और विधानसभा की सीटों में 50त्र की वृद्धि का प्रस्ताव है, जिससे बढ़ी हुई सीटों पर आरक्षण आसानी से लागू किया जा सके।

मध्य प्रदेश की सियासी तस्वीर कैसे बदलेगी

इस संशोधन का असर मध्य प्रदेश जैसे बड़े राज्यों पर पड़ेगा। लोकसभा से लेकर विधानसभा तक सीटों का गणित बदल जाएगा। साथ ही विधानसभा और लोकसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा।

लोकसभा-केंद्र में बढ़ेगा मध्य प्रदेश का दबदबा

मध्य प्रदेश में लोकसभा की 29 सीटें हैं, जिनमें 6 महिला सांसद हैं। इन 29 सीटों में 20 अनारक्षित, 4 एससी और 5 एसटी के लिए आरक्षित हैं। महिला आरक्षण बिल में संशोधन के बाद सीटों की संख्या में 50 फीसदी की बढ़ोतरी होगी यानी मप्र में लोकसभा की कुल 43 सीटें होंगी। 33 फीसदी के हिसाब से 43 में से 14 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। इस बदलाव से केंद्र सरकार में मध्य प्रदेश की भागीदारी और राजनीतिक वजन दोनों बढ़ेगा। अधिक सांसद होने का अर्थ है कि राज्य अपनी मांगों और मुद्दों को राष्ट्रीय पटल पर और मजबूती से रख पाएगा।

कैसे तय होंगी आरक्षित सीटें?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि कौन सी सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। मौजूदा मसौदे में इसे लेकर कोई स्पष्टता नहीं है, लेकिन दो संभावनाएं जताई जा रही हैं

लॉटरी सिस्टम- नगरीय निकायों और पंचायतों की तरह लॉटरी निकालकर सीटों का आरक्षण तय किया जा सकता है।

महिला जनसंख्या का आधार- जिन सीटों पर महिला मतदाताओं का अनुपात अधिक हो, उन्हें आरक्षित किया जा सकता है।

हालांकि, जानकार लॉटरी सिस्टम की संभावना को अधिक बल दे रहे हैं क्योंकि अधिकांश सीटों पर महिला–पुरुष वोटर का अनुपात लगभग बराबर होता है।

रोटेशन सिस्टम का राजनीति पेंच

इससे भी बड़ा राजनीतिक पेंच रोटेशन सिस्टम का है। आरक्षित सीटें स्थायी नहीं रहेंगी, बल्कि हर पांच साल बाद बदलती रहेंगी। इसे इस उदाहरण से समझ सकते हैं। साल 2029 के लोकसभा चुनाव में मध्य प्रदेश की जो 14 लोकसभा सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी, वे 2034 के चुनाव में अनारक्षित हो सकती हैं और उनकी जगह किन्हीं दूसरी 14 सीटों को आरक्षित किया जाएगा।इसका मतलब है कि हर चुनाव में एक–तिहाई सीटों पर मौजूदा सांसदों का टिकट कटना लगभग तय हो जाएगा या उन्हें अपनी सीट बदलनी पड़ेगी। यही फॉर्मूला विधानसभा में भी लागू होगा। यह स्थिति राजनीतिक दलों और दशकों से एक ही सीट पर राजनीति कर रहे नेताओं के लिए एक बड़ी चुनौती पैदा करेगी।

एक ही सीट पर 40 साल से जीत रहे 3 विधायक

16वीं विधानसभा के लिए चुने गए 230 विधायकों में से तीसरी बार के विधायकों की संख्या 45 और चौथी बार के विधायकों की संख्या 20 है यानी पिछले 20 सालों से ये विधायक एक ही सीट से चुने जा रहे हैं। वहीं पांचवीं बार के विधायक 14 हैं और छठी बार के 7 विधायक हैं। तीन विधायक ऐसे हैं जो पिछले 40 साल से एक ही सीट से चुने जा रहे हैं।

विस में 350 विधायकों के बैठने का इंतजाम

विधानसभा के पूर्व प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह बताते हैं कि जहां तक विधानसभा में बैठक व्यवस्था की बात है तो पहले से ही विधानसभा में इसका इंतजाम किया हुआ है। अभी जो सदन है उसमें 350 विधायक एक साथ बैठ सकते हैं। जब विधानसभा को पेपरलैस करने का काम कर रहे थे तो सभी 350 सीटों पर केबलिंग का किया गया है।

अफसरों के टोटे में एमपी देश में टॉप पर

आईएएस की कमी में दूसरा तो आईपीएस में चौथा नंबर; पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा पद खाली

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एमपी में प्रशासनिक और पुलिस महकमे के बड़े पदों पर अफसरों की भारी कमी है। केंद्र सरकार द्वारा संसद में पेश ताजा आंकड़ों के मुताबिक, आईएएस अफसरों की कमी के मामले में मध्य प्रदेश देश में दूसरे नंबर पर है । वहीं, आईपीएस अफसरों की कमी के मामले में राज्य देशभर में चौथे नंबर पर है। एमपी में पुलिस महकमे के 15 पीसदी आईपीएस पद खाली पड़े हैं।

देश में सबसे ज्यादा आईएएस अफसरों की कमी उत्तर प्रदेश (81 पद) में है । इसके तुरंत बाद मध्य प्रदेश का नंबर आता है। मप्र में आईएएस के 459 स्वीकृत पद हैं। जबकि 391 वर्तमान में एमपी में पोस्टेड हैं। 68 अफसरों की कमी के साथ एमपी देश में आईएएस अफसरों की कमी के मामले में दूसरे नंबर पर है।

आईपीएस अफसरों की सबसे ज्यादा कमी पश्चिम बंगाल (59 पद) और ओडिशा (53 पद) में देखी गई है। मध्य प्रदेश इस लिस्ट में चौथे नंबर पर है। एमपी में आईपीएस के 319 पद स्वीकृत हैं। जिनमें से 271 पुलिस अफसर वर्तमान में पोस्टेड हैं। एमपी में आईपीएस के 48 पद (यानी करीब 15त्र पद खाली हैं)।

आईएएस संवर्ग में खाली पदों के मामले में उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर है, जहां 652 स्वीकृत पदों के मुकाबले 571 अधिकारी तैनात हैं और 81 पद रिक्त हैं। मध्य प्रदेश इस सूची में दूसरे स्थान पर आता है, यहां 459 स्वीकृत पद हैं, जिनमें से 391 पर अधिकारी पदस्थ हैं और 68 पद खाली पड़े हैं। तीसरे स्थान पर राजस्थान है, जहां 332 स्वीकृत पदों के सापेक्ष 268 अधिकारी कार्यरत हैं और रिक्तियों की संख्या 64 है। चौथे नंबर पर बिहार का नाम आता है, जहां 359 स्वीकृत पदों में से 303 पद भरे हुए हैं और 56 पद रिक्त हैं । वहीं, एजीएमयूटी संवर्ग पांचवें स्थान पर है, जहां 457 स्वीकृत पदों के मुकाबले 406 अधिकारी तैनात हैं और 51 पद खाली हैं।

आईपीएस अधिकारियों की कमी वाले टॉप-5 राज्य

आईपीएस संवर्ग में रिक्तियों के लिहाज से एजीएमयूटी संवर्ग सबसे ऊपर है, जहां 542 स्वीकृत पदों के मुकाबले 427 अधिकारी तैनात हैं और 115 पद रिक्त हैं।

एजीएमयूटी कैडर के बाद पश्चिम बंगाल दूसरे नंबर पर है। जहां 378 स्वीकृत पदों में से 319 पद भरे हुए हैं और 59 पद खाली हैं। ओड़ीशा इस सूची में तीसरे स्थान पर है, जहां 248 स्वीकृत पदों के मुकाबले 132 अधिकारी ही पदस्थ हैं और 53 पद रिक्त हैं।

चौथे नंबर पर मध्य प्रदेश आता है, जहां 319 स्वीकृत पद हैं और 271 अधिकारी कार्यरत हैं एमपी में आईपीएस अफसरों 48 पद खाली पड़े हैं। पांचवें नंबर पर आंध्र प्रदेश है, जहां 174 स्वीकृत पदों में से 140 पद भरे हुए हैं और 34 पद खाली हैं।

12403 करोड़ रुपये का राजस्व मिलना हुआ तय

प्रदेश में शराब दुकानों के समूह के साथ-साथ एकल दुकानों के भी होंगे ई-टेंडर

1,172 समूहों में से 658 समूह की शराब दुकानें नीलाम हो चुकी हैं

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए शराब दुकानों के ई-टेंडर का सातवां चरण पूरा हो गया। 1,172 समूहों में से 658 समूह की शराब दुकानें नीलाम हो चुकी हैं। इससे सरकार को 12,403 करोड़ रुपये का राजस्व मिलेगा, जो कि गत वर्ष की तुलना में 7.75 प्रतिशत अधिक है। शेष दुकानों के लिए आठवें चरण की नीलामी होगी।

एकल ई-टेंडर भी किए जाएंगे- इसमें 514 समूहों की शराब दुकानों के लिए समूह के साथ एकल ई-टेंडर भी किए जाएंगे। इसके लिए 27 मार्च दोपहर 12 बजे तक फॉर्म स्वीकार होंगे। प्रदेश सरकार ने वर्ष 2026-27 में आबकारी से 19,500 करोड़ रुपये के राजस्व का लक्ष्य रखा है। आबकारी आयुक्त दीपक सक्सेना ने बताया कि अभी तक जो दुकानें समूह में नीलाम हुई हैं, उनसे गत वर्ष की तुलना में 20 प्रतिशत के लक्ष्य के विरुद्ध 29 प्रतिशत अधिक राजस्व प्राप्त हुआ है।

क्या है नीलामी शुरू और बंद होने का समय?

शेष दुकानों के लिए आठवें चरण के ई-टेंडर कम ऑक्शन फॉर्म 27 मार्च को दोपहर 12.05 बजे खोले जाएंगे। नीलामी शुरू और बंद होने का समय 4.30 से शाम 5.30 बजे तक रहेगा। समूह में दी जाने वाली शराब दुकानों के आवंटन के लिए ऑफसेट रिजर्व प्राइज से अधिकतम 15 प्रतिशत से कम दर के ऑफर स्वीकार नहीं किए जाएंगे। अधिकारियों की जिम्मेदारी होगी कि आरक्षित मूल्य के 85 प्रतिशत से कम का ऑफर प्रस्तुत न किया जा सके। सातवें चरण के लिए बनाए गए समूहों को आठवें चरण में भी यथावत रखा जाएगा लेकिन अगर समूह के पुनर्गठन से राजस्व बढ़ने की संभावना है तो आवश्यकता के आधार पर समूहों का पुनर्गठन भी किया जा सकेगा।

मध्यप्रदेश पुलिस की साइबर अपराधों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा सायबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से प्रदेशभर में निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में विगत चार दिनों में पुलिस ने विभिन्न जिलों में म्यूल अकाउंट, फर्जी सिम, क्रिप्टो ठगी एवं डिजिटल फ्रॉड के मामलों में त्वरित कार्रवाई कर18 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन कार्यवाहियों में न केवल अंतर्राज्यीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संचालित नेटवर्क का खुलासा हुआ है,साथ ही ठगी की गई राशि की वापसी भी सुनिश्चित की गई है।

800 से अधिक नामों की फाइनल सूची पर लगी मुहर

413 नगरीय निकायों में एल्डरमैनों की पहले होगी नियुक्ति, बाद में किया जाएगा पुलिस वैरिफिकेशन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के 413 नगरीय निकायों में पहले एल्डरमैनों के नॉमिनेशन की प्रक्रिया पूरी हो गई। आज या कल में नियुक्ति आदेश जारी करने की तैयारी है। तय किया गया है कि पहले नियुक्त आदेश जारी होंगे और इसके बाद पुलिस वेरिफिकेशन की जाएगी। इसके लिए कार्योत्तर अनुमोदन बाद में ले लिया जाएगा। राज्य सरकार ने एल्डरमैन (मनोनीत पार्षद) के 1800 से अधिक नामों की फाइनल सूची पर मुहर लगा दी है। इनमें ऐसे नेताओं को प्राथमिकता दी गई है जो नगरीय निकायों में प्रशासनिक और नगर पालिका व नगर पालिका अधिनियम के जानकार हैं। पार्टी संगठन ने विधायकों से नाम मांगे थे।

सूत्रों के अनुसार भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर जैसे बड़े नगर निगमों में आठ से दस एल्डरमैन नियुक्त किए जाएंगे। जबकि नगर पालिकाओं में छह-छह और नगर परिषदों में चार-चार एल्डरमैन नियुक्त किए जाएंगे। इस तरह 16 नगर निगमों, 99 नगर पालिकाओं और 298 नगर परिषदों में 1800 से अधिक एल्डरमैनों की नियुक्ति का फार्मूला तय किया गया है। बता दें कि मोहन सरकार बनने के बाद से ही भाजपा कार्यकर्ताओं को इसका इंतजार था। इसमें अन्य दलों से आए नेताओं को समायोजित किया जाएगा। वर्ष 2027 में नगरीय निकाय चुनाव होना है ऐसे में एल्डरमैनों को सवा डेढ़ साल का समय मिलेगा।

मतदान का नहीं रहता है अधिकार

प्रदेश के नगरीय निकायों में प्रशासनिक और नगर पालिका व नगर पालिका अधिनियम के जानकारों को एल्डरमैन के रूप में नियुक्त करने का प्रविधान है। एल्डरमैन परिषद की बैठकों और चर्चाओं में भाग ले सकते हैं, लेकिन उनके पास परिषद में मत का अधिकार नहीं होता है। आमतौर पर क्षेत्र के सक्रिय पार्टी कार्यकर्ताओं को एल्डरमैन नियुक्त करने के लिए संगठन की ओर से नाम प्रस्तावित किए जाते हैं।

मेट्रो एंकर — धार्मिक स्थलों में इस साल सबसे ज्यादा विदेशी ओरछा में आए

प्रदेश में राम नाम की धूम, चित्रकूट में हर मिनट पहुंचे 30 भक्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अयोध्या में रामलला के विराजन के बाद अब मध्य प्रदेश का राम वन गमन पथ आस्था के नए ग्लोबल सेंटर के रूप में उभर रहा है। यह महज श्रद्धा नहीं, बल्कि आंकड़ों का वह सैलाब है जिसने पर्यटन के पुराने सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं।

विंध्य की कंदराओं से लेकर ओरछा की गलियों तक, राम नाम की गूंज अब विदेशी सैलानियों के बीच भी सुनाई दे रही है। प्रदेश के धार्मिक पर्यटन मानचित्र पर ओरछा इकलौता ऐसा ग्लोबल स्पॉट बनकर उभरा है, जहां साल भर में रिकॉर्ड 10,311 विदेशी सैलानियों ने राम राजा के दरबार में हाजिरी लगाई है। मप्र के अन्य बड़े धार्मिक स्थलों में विदेशी पर्यटकों की संख्या ओरछा में ही सबसे ज्यादा है। चित्रकूट की स्थिति तो यह है कि यहां हर गुजरते मिनट के साथ 30 नए श्रद्धालु मंदाकिनी के तट पर राम-नाम का संकल्प दोहरा रहे हैं। चित्रकूट में साल 2024 में जहां यहां 1.19 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे थे, वहीं 2025 में नवंबर तक ही यह आंकड़ा 1.60 करोड़ के पार पहुंच गया है। यानी महज 11 महीनों में ही चित्रकूट में 41 लाख नए भक्त जुड़ गए हैं।

नर्मदा की लहरों में रघुवंशमणि की पदचाप- वनवास काल में प्रभु श्रीराम ने अमरकंटक की पहाड़ियों और नर्मदा तट पर लंबा समय बिताया था। आंकड़े गवाह हैं कि अमरकंटक में भी आस्था का ग्राफ रिकॉर्ड तोड़ रहा है। वर्ष 2024 में यहां 40 लाख श्रद्धालु पहुंचे थे, लेकिन 2025 में नवंबर तक ही यह संख्या 40.62 लाख के पार निकल गई है। मां नर्मदा का उद्गम स्थल होने के साथ-साथ इस पथ का आकर्षण इसलिए भी है क्योंकि यहां की मिट्टी में आज भी श्रद्धालु मर्यादा पुरुषोत्तम के चरणों की रज महसूस करते हैं।

शक्ति के दरबार में हर माह 17 लाख भक्तों की हाजिरी

मप्र में मां दुर्गा के तीन प्रमुख स्वरूपों, मैहर की मां शारदा, सलकनपुर की मां विजयासन और दतिया की मां पीताम्बरा के दरबार में हर महीने 17 लाख से ज्यादा भक्त पहुंच रहे है। 2025 में मैहर में भक्तों की संख्या 1.57 करोड़ हो गई है। सलकनपुर धाम में भी 32.29 लाख लोग पहुंचे हैं। दतिया की पीताम्बरा पीठ में विदेशी पर्यटकों का आकर्षण बना हुआ है, जहां साल भर में 700 से ज्यादा विदेशी मेहमानों ने पीताम्बरा माई के दरबार में मत्था टेका है।

संतुलन और संकल्प

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने दुनिया को एक बार फिर अनिश्चितता के भंवर में डाल दिया है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वक्तव्य केवल एक सरकारी प्रतिक्रिया भर नहीं, बल्कि देश और दुनिया दोनों के लिए एक ठोस संदेश के रूप में सामने आया है। जब उन्होंने इस संकट की तुलना कोरोना महामारी जैसी चुनौती से की, तो यह संकेत स्पष्ट था- स्थिति सामान्य नहीं है और इसके प्रभाव दूरगामी हो सकते हैं। प्रधानमंत्री ने जिस तरह देश को आश्वस्त किया, वह राजनीतिक भाषण से आगे बढ़कर एक व्यापक रणनीतिक दृष्टि का परिचायक था। ऊर्जा सुरक्षा से लेकर खाद्यान्न भंडारण और आपूर्ति श्रृंखला तक, सरकार ने जिन तैयारियों का उल्लेख किया, वे यह दर्शाती हैं कि भारत केवल प्रतिक्रिया देने वाला देश नहीं, बल्कि संभावित संकटों के लिए पहले से तैयार रहने वाला राष्ट्र बन रहा है। आयात के स्रोतों का विस्तार, एथेनॉल मिश्रण को बढ़ावा और वैकल्पिक ऊर्जा की ओर झुकाव- ये सभी कदम आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण पड़ाव हैं। रेलवे का लगभग पूर्ण विद्युतीकरण और ऊर्जा के नए स्रोतों पर जोर इस बात का प्रमाण है कि दीर्घकालिक सोच के साथ नीतियां बनाई जा रही हैं। वहीं, कृषि क्षेत्र को लेकर दी गई जानकारी यह भरोसा देती है कि देश के भीतर खाद्य सुरक्षा को लेकर फिलहाल कोई संकट नहीं है। यह संतुलन- आर्थिक, ऊर्जा और कृषि- किसी भी बड़े वैश्विक झटके से निपटने की आधारशिला बनता है। लेकिन इस पूरे विमर्श का सबसे मानवीय पक्ष वह था, जब प्रधानमंत्री ने संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों से भारतीयों की सुरक्षित वापसी का उल्लेख किया। लाखों नागरिकों को सुरक्षित घर लाना केवल प्रशासनिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक संवेदनशील और जिम्मेदार शासन का संकेत है। यह भरोसा भी जगाता है कि संकट चाहे कहीं भी हो, भारत अपने नागरिकों के साथ खड़ा है। इस वक्तव्य का एक और महत्वपूर्ण पहलू था-शांति और संवाद पर जोर। वैश्विक मंच पर जब शक्तियां आमने-सामने खड़ी हों, तब संयम की अपील करना आसान नहीं होता, लेकिन भारत ने हमेशा इसी मार्ग को चुना है। यही उसकी कूटनीतिक पहचान भी है। दिलचस्प रूप से, इस बयान के तुरंत बाद युद्धविराम की घोषणा ने यह संकेत दिया कि संवाद की गुंजाइश अभी खत्म नहीं हुई है। हालांकि, इसे किसी एक घटना से जोड़कर देखना जल्दबाजी होगी, लेकिन यह जरूर कहा जा सकता है कि वैश्विक स्तर पर शांति की मांग अब और तेज हो रही है। यह वक्तव्य केवल हालात का आकलन नहीं, बल्कि एक संदेश है- संकट चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, संयम, तैयारी और एकजुटता से उसका सामना किया जा सकता है।

शांति की चाह में परस्पर शत्रु देशों की आशा भरी निगाहें भारत की ओर

डॉ राघवेंद्र शर्मा
मन की बात के मध्य प्रदेश संयोजक

आज का भारत वैश्विक क्षितिज पर एक ऐसे देदीप्यमान नक्षत्र की भाँति उभर रहा है, जिसकी चमक से दुनिया की महाशक्तियाँ भी चकित हैं। अमेरिकी सेना के रिटायर्ड कर्नल डगलस मैकग्रेगर का राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यह सुझाव देना कि युद्ध विराम और शांति स्थापना के लिए उन्हें भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से संपर्क साधना चाहिए, केवल एक बयान मात्र नहीं है, बल्कि यह बदलते विश्व क्रम की उस हकीकत का प्रमाण है जहाँ भारत अब एक मूक दर्शक नहीं, बल्कि एक निर्णायक शक्ति बन चुका है। यह स्वीकारोक्ति भारत की उस बढ़ती साख को रेखांकित करती है जिसने वैश्विक राजनीति के समीकरणों को पुनर्परिभाषित कर दिया है। वर्तमान भारत जिस अवस्था में पहुँच चुका है, वह उसे वैश्विक शांति के लिए दुनिया भर के नेताओं के बीच आशा का एक सशक्त केंद्र बिंदु बनाती है। भारत की यह मान्यता और प्रतिष्ठा केवल हवा-हवाई दावों पर आधारित नहीं है, बल्कि इसके पीछे ठोस कूटनीतिक सफलताएँ और सामरिक कौशल की गाथाएँ छिपी हैं। दुनिया के सबसे संवेदनशील जल क्षेत्रों और बंदरगाहों, विशेषकर जलडमरू मध्य जैसे रणनीतिक मार्गों पर जहाँ आज भी युद्ध की विभीषिका के कारण बड़े-बड़े विकसित देशों के तेल वाहक जहाज और मालवाहक पोत बारूदों का शिकार हो रहे हैं या वहां से गुजरने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं, वहीं भारत के तिरंगे के साथ चलने वाले तेल वाहक विमान और पोत निर्बाध रूप से अपनी मंजिल तक पहुँच रहे हैं। यह दृश्य भारत की उस अदृश्य शक्ति और विश्वसनीयता को दर्शाता है जिसे दुनिया की कोई भी ताकत चुनौती देने का साहस नहीं कर पा रही है। यहाँ तक कि ईरान के कट्टर प्रतिद्वंद्वी अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश भी भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और उसके बढ़ते प्रभाव के आगे खुद को असहज और विरोध करने में असमर्थ पा रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने 'वसुधैव कुटुंबकम' के अपने पुरातन मंत्र को आधुनिक कूटनीति का आधार बनाया है। इसी का परिणाम है कि जहाँ एक ओर इजरायल जैसा शक्तिशाली और तकनीकी रूप से समृद्ध राष्ट्र भारत को अपना सबसे विश्वसनीय मित्र मानता है, वहीं दूसरी ओर अरब जगत और ईरान जैसे देशों के साथ भी भारत के संबंध मधुरता और सम्मान के नए पायदान चढ़ रहे हैं। जब रूस और यूक्रेन के बीच भीषण युद्ध की ज्वाला भड़की और पूरी दुनिया दो धड़ों में बँट गई, तब केवल भारत ही वह शक्ति था जिसने दोनों पक्षों की आँखों में आँखें डालकर अपने हितों की बात की। हज़ारों भारतीय नागरिकों और छात्रों के युद्ध क्षेत्र में फंसे होने की खबर ने पूरे देश को चिंतित कर दिया था, लेकिन यह प्रधानमंत्री मोदी का ही ओजस्वी व्यक्तित्व और भारत की साख थी कि दोनों युद्धरत देशों ने भारत के आग्रह पर अस्थायी रूप से युद्ध विराम किया ताकि भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाला जा सके। 'ऑपरेशन गंगा' की सफलता ने दुनिया को दिखा दिया कि नए भारत के लिए अपने नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि है और इसके लिए वह किसी भी सीमा तक जा सकता है। ऐसा ही दृश्य ईरान में भी देखने को मिला जब अमेरिकी हमलों और अशांति के माहौल के बीच ईरानी सरकार ने भारतीयों की सुरक्षित निकासी में अभूतपूर्व सकारात्मक रुख दिखाया। यह सम्मान किसी डर से नहीं, बल्कि उस विश्वास से उपजा है जो भारत ने अपनी निष्पक्ष और शांतिपूर्ण नीतियों के जरिए वैश्विक मंच पर कमाया है। आज जब हम वैश्विक परिदृश्य को देखते हैं, तो एक बहुत ही व्यापक और स्पष्ट तस्वीर उभरती है कि दुनिया के तमाम देश चाहे आपस में कितने ही विरोधाभासों या युद्धों में क्यों न उलझे हों, लेकिन वे भारतीय नागरिकों और भारत सरकार के प्रति अटूट सम्मान का भाव रखते हैं। यह भारतीय कूटनीति की वह विजय है जहाँ हमने बिना किसी गुटबाजी में फंसे, अपनी शर्तों पर दुनिया के साथ हाथ मिलाया है। घरेलू स्तर पर भले ही राजनीतिक मतभेदों के कारण विपक्षी दल अपने निजी स्वार्थों या सत्ता की ललक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सरकार की आलोचना करते रहें, लेकिन जमीनी हकीकत और अंतरराष्ट्रीय मंच की गवाही कुछ और ही कहानी बयां करती है। सत्य यह है कि वर्तमान भारत अब केवल अपनी समस्याओं के समाधान के लिए दूसरों की ओर नहीं देखता, बल्कि दुनिया की बड़ी समस्याओं के समाधान के लिए दुनिया भारत की ओर देख रही है। सदियों बाद ही सही, भारत एक बार फिर तेजी से 'विश्व गुरु' के पद की ओर अग्रसर हो रहा है। इस नए भारत के पास अब केवल पुरातन ज्ञान ही नहीं है, बल्कि आधुनिक तकनीक, मजबूत अर्थव्यवस्था, अडिग नेतृत्व और अटूट संकल्प शक्ति भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता ने भारत को एक ऐसी स्थिति में ला खड़ा किया है जहाँ भारत की आवाज को न केवल सुना जाता है, बल्कि उसका अनुसरण भी किया जाता है। वैश्विक मंचों पर भारत की उपस्थिति अब औपचारिकता नहीं, बल्कि अनिवार्यता बन गई है।

आज का भारतीय नागरिक दुनिया के किसी भी कोने में गर्व से अपना सिर उठाकर कह सकता है कि वह उस महान देश का हिस्सा है जो युद्ध को खत्म करने की क्षमता रखता है और जो मानवता के कल्याण के लिए सदैव तत्पर रहता है। यह भारत की सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक नेतृत्व का वह अद्भुत संगम है जिसने हमें वैश्विक राजनीति के ध्रुव तारे के रूप में स्थापित कर दिया है। इस महान राष्ट्र की बढ़ती शक्ति किसी को डराने के लिए नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को शांति और समृद्धि के मार्ग पर ले जाने के लिए है। वास्तव में, यह भारत का स्वर्ण युग है जहाँ हमारी सीमाओं के बाहर हमारा मान बढ़ा है और सीमाओं के भीतर देश का स्वाभिमान अपनी चरम सीमा पर है। भारत का यह बढ़ता कद और प्रधानमंत्री मोदी का यशस्वी नेतृत्व आने वाली पीढ़ियों के लिए एक ऐसी विरासत स्थापित कर रहा है, जिसमें भारत फिर से दुनिया का मार्गदर्शन करने वाला सिरमौर राष्ट्र कहलाएगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

प्राकृतिक संसाधन: सम्पूर्ण सृष्टि की साझा धरोहर और मानवता का नैतिक दायित्व

कैलाश चन्द्र
स्तंभकार

पृथ्वी पर उपलब्ध प्राकृतिक संसाधन जल, वायु, वन, खनिज, मिट्टी, जीव-जंतु और ऊर्जा स्रोत मानवता की निजी संपत्ति न होकर संपूर्ण सृष्टि की साझा धरोहर हैं। यह विचार केवल नैतिक आग्रह नहीं है, बल्कि पृथ्वी के भूगर्भीय इतिहास, जैविक विकास और आधुनिक वैज्ञानिक समझ का गहन निष्कर्ष है। विज्ञान स्पष्ट करता है कि जिन ऊर्जा स्रोतों पर आधुनिक सभ्यता आधारित है, वे मानव जीवन की समय-सीमा में पुनः निर्मित नहीं हो सकते। पेट्रोलियम को बनने में पांच से 30 करोड़ वर्ष, कोयले को तीन से 40 करोड़ वर्ष और प्राकृतिक गैस को करोड़ों वर्षों का समय लगता है। पृथ्वी की विशाल प्रयोगशाला ने जिन्हें युगों में निर्मित किया, उन्हें मनुष्य यदि कुछ वर्षों के युद्ध, संघर्ष या लालच में नष्ट कर दे, तो यह न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से मूर्खता है बल्कि नैतिक रूप से भी गंभीर अन्याय है।

भारतीय चिंतन इस सत्य को प्राचीन काल से ही स्वीकार करता आया है। 'अथर्ववेद' में कहा गया है 'माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः '। अर्थात पृथ्वी हमारी माता है और हम उसके पुत्र हैं। इसका स्पष्ट अर्थ है कि पृथ्वी के उपहार किसी एक समाज, राष्ट्र या पीढ़ी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समस्त जीव जगत के लिए समान रूप से हैं। उपनिषद का वाक्य 'ईशावास्यमिदं सर्वं' इसी भावना को और व्यापक बनाता है। यह सम्पूर्ण जगत किसी का निजी स्वामित्व नहीं, बल्कि साझा अस्तित्व है। आधुनिक भाषा में इसे वैश्विक साझा संसाधन कहा जा सकता है, जहाँ संसाधन किसी के स्वामित्व में नहीं बल्कि सबके उपयोग के लिए होते हैं। इसी आधार पर प्राकृतिक संसाधनों पर एकाधिकार का विचार मूलतः अमानवीय है। मनुष्य अधिकतम स्वयं को इन संसाधनों का संरक्षक और न्यासी कह सकता है। उसके पास उपयोग का अधिकार है, स्वामित्व का नहीं। एक न्यासी संसाधनों का संरक्षण करता है, उनका विनाश नहीं करता। वर्तमान विश्व व्यवस्था ने इस मूलभूत सत्य को पीछे छोड़ दिया है। देखा यह जा रहा है कि जो संसाधन मानवता की सामूहिक धरोहर थे, वे अब संपत्ति, राजनीतिक शक्ति, भू रणनीतिक हथियार और औद्योगिक लाभ के साधन बन गए हैं। पश्चिम एशिया में तेल कुओं पर हमले, रूस यूक्रेन संघर्ष में गैस पाइपलाइन का टूटना या अफ्रीका में खनिज क्षेत्रों को लेकर गृहयुद्ध, ये सभी घटनाएँ केवल स्थानीय नहीं बल्कि वैश्विक प्रभाव डालती हैं। तेल महंगा होता है, परिवहन लागत बढ़ती है, बिजली दरें ऊँची होती हैं और खाद्य संकट गहराता है। अंततः सबसे अधिक पीड़ा उस सामान्य जन को झेलनी पड़ती है जिसने न युद्ध किया और न संसाधनों का दुरुपयोग किया। यह वैश्विक अन्याय का विकृत स्वरूप है। प्राकृतिक संसाधनों की हानि केवल आर्थिक संकट तक सीमित नहीं रहती, बल्कि पारिस्थितिक संतुलन को भी प्रभावित करती है। एक जंगल के कटने से वर्षा चक्र, मिट्टी की उर्वरता, जल संचयन और वन्य जीवन सब प्रभावित होते हैं। समुद्र में तेल रिसाव से केवल समुद्री जीवन नहीं, बल्कि वैश्विक ताप वृद्धि और जलवायु संकट भी उत्पन्न होता है। जल प्रदूषण एक नदी को नहीं, बल्कि उससे जुड़े संपूर्ण जीवन तंत्र को प्रभावित करता है। इसलिए यह कहना अधूरा है कि संसाधनों की हानि केवल एक राष्ट्र की हानि है। वास्तविकता यह है कि यह पूरी सृष्टि की हानि है। भारतीय दर्शन इस व्यापक दृष्टि को वसुधैव कुटुम्बकम् के रूप में प्रस्तुत करता है। इसका अर्थ है कि पृथ्वी एक परिवार है और संसाधनों का उपयोग समानता, संयम और कल्याण के आधार पर होना चाहिए। आधुनिक पर्यावरण दर्शन भी इसी को पर्यावरणीय न्याय के रूप में स्वीकार करता है, जिसमें संसाधनों का समान उपयोग, समान उपलब्धता और समान संरक्षण आवश्यक माना गया है, किन्तु वर्तमान विश्व इस मार्ग से भटक गया है। संसाधनों से सम्पन्न देश उन्हें शक्ति और दबाव के साधन के रूप में प्रयोग करते हैं, जबकि निर्भर देश असुरक्षित और अस्थिर बने रहते हैं। यह केवल आर्थिक नहीं, बल्कि नैतिक असमानता भी है। यदि किसी देश या क्षेत्र को अधिक संसाधन प्राप्त हैं, तो उसका प्रथम दायित्व उनका संरक्षण होना चाहिए न कि उनका शोषण। भारतीय परंपरा प्रकृति को माता मानती है और सिखाती है कि संसाधनों का उपयोग संयम और सह अस्तित्व के साथ किया जाए। यह दर्शन हमें अधिक उपभोग नहीं, बल्कि सतत और संतुलित उपभोग का मार्ग दिखाता है। मानवता को यदि संसाधनों को लेकर संघर्ष समाप्त करना है, तो उसे यह समझना होगा कि वह पृथ्वी का स्वामी नहीं, बल्कि संरक्षक है।

महात्मा गांधी द्वारा प्रतिपादित न्यास सिद्धांत भी यही बताता है कि संपत्ति का उपयोग लोकहित में होना चाहिए। यही सिद्धांत प्राकृतिक संसाधनों पर भी लागू होता है कि उनका उपयोग सृष्टि हित में हो, न कि स्वार्थ के लिए। यदि किसी क्षेत्र में तेल है तो वह केवल वहाँ के लोगों का नहीं, बल्कि समस्त मानवता का है। यदि किसी देश में वन हैं, तब वे पूरे पृथ्वी के पर्यावरण संतुलन का आधार हैं। यदि किसी नदी का स्रोत किसी देश में है, तब उसका जल संपूर्ण पारिस्थितिक तंत्र का है, इसलिए संसाधनों पर एकाधिकार की सोच सीमित और स्वार्थपूर्ण है। इसके विपरीत, भारतीय दर्शन सिखाता है कि सृष्टि की रक्षा ही मानवता की रक्षा है।

यह समझ लीजिए कि प्रकृति की समृद्धि में ही सभ्यता का भविष्य निहित है और संसाधनों की समानता में ही विश्व कल्याण संभव है। अतः आज आवश्यकता है कि वैश्विक समाज इस सत्य को स्वीकार करे कि पृथ्वी की धरोहर का संरक्षण, संतुलित उपयोग और न्यायपूर्ण वितरण हम सबका साझा दायित्व है। यही दृष्टि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और संतुलित संसार प्रदान कर सकती है। संसाधन पृथ्वी के हैं, हम केवल उनके संरक्षक हैं और संरक्षक का धर्म संरक्षण है, शोषण नहीं। इसी में विश्व कल्याण, वैश्विक शांति और मानवता के उज्ज्वल भविष्य की सबसे सुदृढ़ आधारशिला निहित है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

वयस्कों के पेट में भी हो सकते हैं कीड़े, बार-बार बनने वाली गैस हो सकती है संकेत

आमतौर पर लोग ये समझते हैं कि सिर्फ बच्चों के पेट में कीड़े होते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। बड़ों के पेट में भी कीड़े हो सकते हैं और बच्चों की तरह वयस्कों का भी उपचार जरूरी है। जब आंतों में कीड़े पनपते हैं, तो वे शरीर के जरूरी पोषक तत्वों को सोख लेते हैं और पाचन तंत्र को कमजोर कर देते हैं। इससे गैस, पेट फूलना, अपच, मरोड़ और भारीपन जैसी समस्याएं होने लगती हैं। यही कारण है कि बार-बार गैस बनने की समस्या को हल्के में नहीं लेना चाहिए, ये पेट में कीड़े होने का लक्षण हो सकता है। पे

जब पैरासाइट्स यानी कीड़े आंतों में रहते हैं, तो पाचन प्रक्रिया को बाधित करते हैं। इससे खाना सही तरह से नहीं पचता, जिससे आंतों में गैस बनने लगती है और पेट फूलने की शिकायत होती है। कई मामलों में यह समस्या लगातार बनी रहती है और सामान्य गैस की दवाओं से भी पूरी तरह ठीक नहीं होती। ऐसा होना पेट में कीड़े होने का संकेत हो सकता है।

पेट में कीड़े होने के लक्षण: इसके लक्षण धीरे-धीरे सामने आते हैं। कई बार ये लक्षण सामान्य पाचन समस्या जैसे लगते हैं। जैसे पेट में गैस और सूजन,बार-बार या लगातार पेट दर्द, भूख कम लगना, बेवजह वजन घटना, कमजोरी और थकान और बच्चों में चिड़चिड़ापन और फोकस की कमी। कीड़े शरीर के किसी भी हिस्से में पहुंचकर नुकसान पहुंचा सकते हैं। कुछ कीड़े लाल रक्त कोशिकाओं को अपना भोजन बनाते हैं, जिससे व्यक्ति एनीमिया का शिकार हो सकता है। पेट के कीड़े व्यक्ति का भोजन खा जाते हैं, जिससे उसका वजन तेजी से घटने लगता है।

पेट में कीड़े होने की वजह: दूषित पानी में पैरासाइट्स के अंडे हो सकते हैं। इसका सेवन करने से पेट में कीड़े की समस्या हो सकती है। उबला हुआ या आरओ से फिल्टर पानी पीने से इस समस्या से बचा जा सकता है। खाना पकाने और खाने से पहले हाथ न धोने से पेट में कीड़े हो सकते हैं। गंदे हाथों के नाखूनों में मौजूद गंदगी पर कीड़ों के अंडे या लार्वा चिपके हो सकते हैं, जो भोजन के साथ पेट में जाते हैं और आंतों में पनपते हैं। जो लोग सफाई का ध्यान नहीं रखते, फल और सब्जी का उपयोग बिना धोए करते हैं, ऐसी जगहों पर रहते हैं जहां बहुत गंदगी है या जहां लोग खुले में शौच करते हैं, ऐसे लोगों को पेट में कीड़े होने की संभावना अधिक रहती है। सही समय पर लक्षणों की पहचान, साफ-सफाई का ध्यान और नियमित डिवॉर्मिंग से इस समस्या को आसानी से रोका और ठीक किया जा सकता है। अच्छे डाइजेस्टिव सिस्टम के लिए सफाई और जागरूकता जरूरी है।

निशाना

राह झूठ की खड़ी..!

बसंत कुमार शर्मा

है अपनी पहचान ज़रा सी,
अधरों पर मुस्कान ज़रा सी।
राह प्रेम की मुश्किल है, पर,
होती नहीं थकान ज़रा सी।
मैं शिकार करता भी कैसे,
छोटा तीर, कमान ज़रा सी।
आसमान को अखर रही है,
मेरी एक उड़ान ज़रा सी।
राह झूठ की खड़ी रोक के,
सच की है चट्टान ज़रा सी।
छोड़ महल जा नदी किनारे,
प्यारे मस्ती छान ज़रा सी।
किस किस को चंदा दे दे वो,
जिसकी पास दुकान ज़रा सी।
कितना बोझ उठाए बचपन,
बस्ता भारी जान ज़रा सी।
ऐसा वैसा मत समझो तुम,
अपनी भी है शान ज़रा सी।
करती रहती बड़े धमाके,
होती भले ज़बान जरा सी।
इतना ही कहता हूँ ग़ज़ल से,
हो जा रस की खान ज़रा सी।

टेक्नो - अपडेट

भविष्य में बिना सिग्नल भी कनेक्ट हो सकेगा फोन एयरटेल और स्टरलिंक ने अफ्रीका में की टेस्टिंग

एयरटेल ने अफ्रीका में स्टारलिंक के साथ मिलकर ऐसा कारनामा किया है कि मोबाइल नेटवर्क की दुनिया हमेशा के लिए बदल सकती है। दरअसल एयरटेल अफ्रीका और एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने मिलकर एक सफल टेस्टिंग को अंजाम दिया है। इसकी मदद से बिना टावर के भी फोन पर इंटरनेट चलाना और यहां तक कि बातचीत करना भी संभव हो सकेगा। अक्सर देखा गया है कि पहाड़ों, जंगलों या दूर दराज के इलाकों में नेटवर्क की समस्या आती है। ऐसे में अब सैटेलाइट टेक्नोलॉजी की मदद से आपके फोन पर नेटवर्क हर जगह पर मिल सकेगा। यह टेस्टिंग कनेक्टिविटी के मामले में बड़ा कदम साबित हो सकती है और आने वाले समय में इसे भारत में भी काम करता हुआ देखा जा सकेता है।अफ्रीका की टेस्टिंग की खास बात थी कि फोन पर सैटेलाइट से इंटरनेट के लिए किसी खास सैटेलाइट फोन या महंगे हार्डवेयर की जरूरत नहीं पड़ी। आपका साधारण स्मार्टफोन ही स्टारलिंक के 650 से ज्यादा सैटेलाइट्स के नेटवर्क से जुड़ सकेगा।

एयरटेल ने इस बारे में बताया है कि इस टेक्नोलॉजी की मदद से उन इलाकों में भी जबरदस्त नेटवर्क कनेक्टिविटी मिली, जहां आमतौर पर टावर लगाना मुमकिन नहीं हो पाता। इस टेक्नोलॉजी की वजह से जल्द डेड जोन जैसी समस्या पूरी तरह खत्म हो जाएगी।

बिना नेटवर्क क्या कुछ हो पाएगा?: टेस्टिंग में सामने आया है कि इस टेक्नोलॉजी की मदद से न सिर्फ इंटरनेट बल्कि कॉलिंग की सेवा को भी परखा गया। हालांकि कॉलिंग वाट्सएप जैसे इंटरनेट के जरिए कॉल करने वाले ऐप्स के जरिए की गई थी। इतना ही नहीं, एयरटेल ऐप के जरिए वित्तीय लेनदेन भी बिना किसी रुकावट के किया जा सका।

भारत में किस काम की देरी?: एयरटेल अफ्रीका अब इस टेक्नोलॉजी को 14 बाजारों में विस्तार देने की तैयारी कर रही है। इसके अलावा अगले चरण में स्टारलिंक मोबाइल V2 टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल की भी पूरी संभावना है। इसके जरिए सैटेलाइट से ही डायरेक्ट कॉलिंग और हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड इंटरनेट उपलब्ध कराया जा सकेगा।

जहां तक बात भारत की है, तो फिलहाल स्टारलिंक की सेवाएं देश में शुरू नहीं हो सकी हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, देश में स्टारलिंक इंटरनेट के शुरू होते ही कंपनियां फोन पर बिना किसी अतिरिक्त डिवाइस के सैटेलाइट से इंटरनेट पहुंचाने के लिए काम शुरू कर देंगी। इसमें उन कंपनियों को बढ़त रहेगी, जो फिलहाल अलग-अलग देशों में इस तकनीक की टेस्टिंग कर रही हैं। ऐसे में निकट भविष्य में ऑफलाइन या नो नेटवर्क जैसे शब्द शायद टेक जगत के शब्दकोश से गायब हो जाएं।

अजब - गजब

पोलेंड में खुदाई में मिली 300 साल पुरानी कब्रें, पत्थरों से दबाया था मुर्दों का सीना

दुनियाभर में प्राचीन सभ्यताओं और उनके रहन-सहन को लेकर समय-समय पर कई चौंकाने वाले खुलासे होते रहते हैं, लेकिन पोलैंड से सामने आई यह खोज इतिहास और अंधविश्वास के खतरनाक मेल को उजागर करती है। करीब 300 साल पुराने एक कब्रिस्तान में पुरातत्वविदों को ऐसी कब्रें मिली हैं, जिनका तरीका आज के नजरिए से बेहद असामान्य और डरावना लगता है। पोलैंड के पिन गांव में चल रही खुदाई के दौरान वैज्ञानिकों ने 100 से ज्यादा कब्रें खोजी हैं। इस रिसर्च का नेतृत्व प्रोफेसर डेरियस पोलिंस्की कर रहे हैं, जो पिछले दो दशकों से इस क्षेत्र का अध्ययन कर रहे हैं। इन कब्रों में से कुछ ऐसी हैं, जिन्हें देखकर शोधकर्ताओं ने अंदाजा लगाया कि इन्हें जानबूझकर 'एंटी-वैम्पायर' तरीके से तैयार किया गया था।

कई शवों को औंधे मुंह यानी पेट के बल दफनाया गया था। ऐसा माना जाता है कि यह इस डर से किया जाता था कि अगर मृत व्यक्ति दोबारा जीवित होने की कोशिश करे, तो वह जमीन के अंदर की ओर ही बढ़े, बाहर न आ सके। कुछ कब्रों में लाशों के गले पर लोहे की तेज हंसिया रखी गई थी। उस समय लोगों का विश्वास था कि अगर शव उठने की कोशिश करेगा, तो उसका गला खुद ही कट जाएगा। इस कब्रिस्तान की सबसे चर्चित खोज एक महिला का कंकाल है, जिसे शोधकर्ताओं ने 'वैम्पायर जोसिया' नाम दिया है। इस कंकाल के गले पर हंसिया रखी हुई थी और पैर के अंगूठे में एक लोहे का ताला लगा हुआ था। माना जाता है कि यह ताला उसकी आत्मा को हमेशा के लिए 'बंद' रखने का प्रतीक था। खुदाई में कुछ और असामान्य मामले भी सामने आए हैं, जो उस दौर की परंपराओं और कुरीतियों को उजागर करते हैं। खुदाई में आर्कियोलॉजिस्ट की टीम को एक महिला का कंकाल भी मिला, जिसे सिफलिस जैसी गंभीर बीमारी थी. संभवतः बीमारी के कारण उसे समाज से अलग कर दिया गया था और मौत के बाद उसकी कब्र को भारी पत्थरों से घेर दिया गया। कई बुजुर्गों के शवों के सिर के पास भी पत्थर रखे गए थे, जिन्हें 'एंटी-वैम्पायर' अनुष्ठानों का हिस्सा माना जा रहा है।

इतिहासकारों के अनुसार, 17वीं सदी का यूरोप युद्ध, महामारी और अकाल से जूझ रहा था। उस समय लोग बीमारियों और अचानक होने वाली मौतों की वजह नहीं समझ पाते थे, इसलिए वे इन्हें अलौकिक शक्तियों या वैम्पायर जैसी मान्यताओं से जोड़ देते थे। जो लोग अलग दिखते थे, बीमार होते थे या जिनका व्यवहार सामान्य लोगों से हटकर होता था, उन्हें अक्सर 'पिशाच' मान लिया जाता था। आज के नजरिए से ये मान्यताएं अंधविश्वास लग सकती हैं, लेकिन उस दौर में यही लोगों के डर और असुरक्षा की अभिव्यक्ति थी। फिलहाल इस साइट पर खुदाई जारी है और वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि आने वाले समय में इस रहस्यमयी कब्रिस्तान से और भी अहम जानकारियां सामने आएंगी।

न्यूज विंडो

नहीं चला विधायक का 'पावर', गाड़ी का कटा 10 हजार रुपये का चालान

डबरा। डबरा में वाहन चेकिंग के दौरान विधायक का पावर काम नहीं आया और उनकी गाड़ी पर लगे हूटर के कारण 10 हजार रुपये की चालानी कार्रवाई की गई। दरअसल सिविल लाइन के चार जज खुद दो जगहों पर वाहन चेकिंग करने के लिए उतरे थे। इसी दौरान विधायक की गाड़ी वहां से गुजरी तो गाड़ी पर लगे हूटर को देखकर चेकिंग कर रहे पुलिसकर्मियों ने गाड़ी को रुकवाया। विधायक से हूटर को लेकर सवाल जवाब किया गया तो संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए जिसके बाद गाड़ी से हूटर को हटवाकर 10 हजार रुपये का चालान काटा गया। डबरा में न्यायाधीश देवांश अग्रवाल, सृष्टि शाह, राजेश्वरी जर्मन और आयुषी अग्रवाल ने एसडीओपी डबरा सौरभ कुमार और तीन थानों की पुलिस बल के साथ दो जगह वाहन चैकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान पिछोर तिराहे पर वाहन चेकिंग के दौरान वहां से गुजर रही डबरा से कांग्रेस विधायक सुरेश राजे की गाड़ी को भी रोका गया। गाड़ी में खुद विधायक बैठे हुए थे और गाड़ी पर हूटर लगा हुआ था। जब मजिस्ट्रेट ने विधायक सुरेश राजे से गाड़ी पर हूटर लगाने को लेकर सवाल-जबाव किए तो विधायक संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए जिसके कारण मौके पर ही विधायक की गाड़ी से हूटर उतरवाया गया और हूटर लगाने के कारण 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया।

नर्मदा में गिर रहा गंदा नाला, आस्था पर आघात, रोक लगाए प्रशासन: शर्मा

नर्मदापुरम। पवित्र नर्मदा नदी में लगातार मिल रहे नालों के गंदे पानी को लेकर अब स्थानीय स्तर पर आक्रोश तेज हो गया है। क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता एवं समाजसेवी तरुण शर्मा ने इस गंभीर मुद्दे को उठाते हुए स्थानीय प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। तरुण शर्मा ने कहा कि नर्मदा सिर्फ एक नदी नहीं बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है। ऐसे में उसमें गंदे नालों का पानी मिलना न केवल पर्यावरण के लिए खतरा है, बल्कि धार्मिक भावनाओं को भी ठेस पहुंचा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिम्मेदार विभागों की लापरवाही के चलते खुलेआम सीवेज और गंदगी नदी में डाली जा रही है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि सभी नालों को तुरंत नर्मदा में मिलने से रोका जाए, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की व्यवस्था की जाए, दोषी अधिकारियों और संबंधित ठेकेदारों पर सख्त कार्रवाई हो, तरुण शर्मा ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही इस पर ठोस कदम नहीं उठाए गए तो जनआंदोलन शुरू किया जाएगा। स्थानीय लोगों का भी कहना है कि नर्मदा के किनारे रहने वाले लोगों को प्रदूषण का सीधा असर झेलना पड़ रहा है। पानी की गुणवत्ता लगातार खराब हो रही है, जिससे स्वास्थ्य पर भी खतरा मंडरा रहा है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस संवेदनशील मुद्दे पर कितनी गंभीरता दिखाता है और नर्मदा को प्रदूषण मुक्त करने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

सडक़ निर्माण के चलते तीन महीने से बंद है सीवर लाइन, चेंबर चोक

मुरैना. नगर निगम द्वारा शहर के गोपाल पुरा की पुरानी चुंगी नाका वाली गली में पिछले तीन महीने से सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। एक तो सड़क निर्माण कार्य सुस्त है, वहीं सीवर लाइन जाम हो गई हैं, चेंबर भर गए हैं, जिसके चलते सीवर का गंदा पानी लोगों के घरों में भर रहा है। वहीं जहां सड़क निर्माण हो चुकी हैं, वहां तो स्थिति और ज्यादा खराब है, वहां चेंबर पैक कर दिए हैं। सड़क निर्माण के दौरान फैली अव्यवसथा के चलते गोपाल पुरा की करीब एक हजार आवादी परेशान हैं। चुंगी नाका वाली गली में सबसे बड़ी विसंगति ये रही कि सडक़ निर्माण कार्य शुरू हुआ नहीं, उससे काफी दिन पूर्व पूरी सड़क खोदकर डाल दी। सडक़ की खुदाई के साथ पेयजल की लाइन, घरों के पाइप और सीवर लाइन क्षतिग्रस्त हो गई, इसके चलते सडक़ पर पानी भरता रहा और निकलने तक की रास्ता नहीं रही। बीच में बारिश हो गई तो पूरी सड़क पर जल भराव की स्थिति बनी, उससे भी लोग परेशान रहे। अब गली मे नहीं अतिक्रमण हटाया और सीवर लाइन व चेंबर दुरस्त कराए बिना ही सडक़ का निर्माण कराया जा रहा है। इसके चलते अव्यवस्थाएं फैल रही हैं। रहवासियों ने आयुक्त नगर निगम से भी शिकायत की है लेकिन उन्होंने कोई सुनवाई नहीं की। चुंगीनाका वाली गली में एक तरफ सीवर लाइन चोक हो गई हैं, वहीं सडक़ निर्माण के दौरान चेंबर पैक कर दिए हैं, जिससे रहवासियों को स्वयं चेंबर खोलने पड़ रहे हैं, चेंबर खोलते ही सीवर का गंदा पानी ओवरफ्लो होकर सड़क पर फैल रहा है, जिससे नवीन सड़क पर गंदगी फैल रही है।

बबड़िया नौआबाद गांव में आयोजित कार्यक्रम का मामला

शादी समारोह में खाने के बाद 200 लोग बीमार रात को अचानक लोगों को होने लगे उल्टी, दस्त

सीहोर। दोपहर मेट्रो

इछावर तहसील के ग्राम बबड़िया नौआबाद में विवाह के बाद आयोजित कार्यक्रम में तकरीबन 1200 से अधिक लोगों ने भोजन किया था। इनमें से करीब 200 लोग फूड प्वाइजनिंग के शिकार हो गए हैं। सभी लोगों को पेट दर्द और उल्टी की शिकायत होने लगी। इसके बाद इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

दरअसल, 200 लोगों के पेट दर्द और उल्टी की शिकायत हुई थी। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम को सूचित किया गया। इछावर से टीम गांव पहुंची। कुछ लोगों को वहां तुरंत इलाज दिया गया। इसके बाद सभी लोगों को सीहोर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां भी तैयारी बड़ी थी सीहोर जिला अस्पताल के इमरजेंसी डॉक्टर, पैरामेडिकल और नर्सिंग स्टॉफ को रात में ही बुलाया गया। इसके बाद दो वार्ड को फूड प्वाइजनिंग के शिकार मरीजों के लिए रिजर्व कर दिया गया है। वहीं, इछावर से मिली जानकारी के अनुसार 50 से अधिक मरीजों को प्राथमिक इलाज के बाद घर रवाना कर दिया गया। तकरीबन 15 मरीज इछावर स्वास्थ केंद्र में और 2 मरीज जिला अस्पताल में भर्ती हैं। अन्य मरीजों को गांव में ही इलाज दिया गया था, जहां उनकी तबीयत में सुधार हो गई है। घटना के बाद एसडीएम के नेतृत्व में एक टीम गांव पहुंचा। शादी समारोह में बने भोजन सामग्री की सैम्पलिंग की जा रही है। अस्पताल में भर्ती मरीजों की उम्र अधिक है। उन्हीं लोगों पर फूड प्वाइजनिंग का असर ज्यादा हुआ है। वहीं, कुछ मरीजों को प्राइवेट अस्पताल में भी भर्ती कराया गया है। बाकी गांव की स्थिति पर स्वास्थ्य विभाग की टीम लागातार नजर रख रही है। खाने के सैंपल की रिपोर्ट आने के बाद ही पता चला पाएगा कि फूड प्वाइजनिंग की क्या वजह थी। अभी किसी भी बीमार मरीज की स्थिति चिंताजनक नहीं है।

गुस्से में गोलियों से भून डाला

खेत के पानी को लेकर बवाल नरसिंहपुर में भतीजे ने चाचा को उतारा मौत के घाट

नरसिंहपुर। जिले में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहां खेत में पानी को लेकर हुए मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया। स्टेशनगंज थाना क्षेत्र के डूंडी-पिडराई गांव में एक भतीजे ने अपने सगे चाचा की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत और सन्नाटा पसरा हुआ है। जानकारी के अनुसार, मृतक प्रेम नारायण पटेल अपने खेत में कृषि कार्य कर रहे थे। इसी दौरान गेहूं की फसल में पानी देने को लेकर उनका अपने भतीजे संदीप पटेल से विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि पानी का बहाव बदलने से कुछ पानी आरोपी के खेत में पहुंच गया, जिससे वह नाराज हो गया। पहले दोनों के बीच कहासुनी हुई, लेकिन मामला बढ़ता चला गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विवाद के बाद आरोपी गुस्से में वहां से चला गया और कुछ समय बाद अपने माता-पिता के साथ वापस लौटा। आते ही उसने गाली-गलौज शुरू कर दी, जिससे माहौल और तनावपूर्ण हो गया। इसी दौरान आरोपी ने अचानक बंदूक निकालकर प्रेम नारायण के सीने में गोली मार दी। गोली लगते ही वे जमीन पर गिर पड़े और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

घटना के समय मृतक का बेटा सचिन भी खेत पर मौजूद था। उसने किसी तरह अपनी जान बचाई और तुरंत गांव के कोटवार को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना कर पंचनामा कार्रवाई की। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल नरसिंहपुर भेज दिया गया है। स्टेशनगंज थाना प्रभारी सौरभ पटेल ने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गंजबासौदा का नाम वासुदेव नगर करने पर परिषद की सहमति

कर बकायादारों के नाम होंगे सार्वजनिक

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

नगर पालिका परिषद की आयोजित परिषद बैठक में शहर के विकास और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। परिषद सभाकक्ष में आयोजित इस बैठक में क्षेत्रीय विधायक हरिसिंह रघुवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष शशि यादव, उपाध्यक्ष संदीप ठाकुर सहित सभी पार्षद मौजूद रहे।

बैठक में तय एजेंडे के अनुसार पांच प्रमुख विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। परिषद ने नगर गंजबासौदा का नाम बदलकर वासुदेव नगर करने के प्रस्ताव पर सहमति प्रदान की, जिसे शहर के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय माना जा रहा है।

इसके अलावा नगर पालिका ने संपत्तिकर एवं जलकर के बड़े बकायादारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का निर्णय लिया है। इसके तहत बड़े बकायादारों के नाम सार्वजनिक किए जाएंगे और शहर के प्रमुख चौराहों पर सूची चस्पा की जाएगी, जिससे कर वसूली में सुधार हो सके। परिषद ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अनुमानित बजट को भी मंजूरी प्रदान की। बैठक में रखे गए सभी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। बैठक के प्रमुख निर्णय गंजबासौदा का नाम बदलकर वासुदेव नगर करने का प्रस्ताव पारित, 106 करोड़ से अधिक का वार्षिक बजट स्वीकृत, संपत्ति कर एवं जलकर के बड़े बकायादारों पर सख्ती और बकायादारों के नाम सार्वजनिक करने का निर्णय लिया गया। परिषद ने बैठक में नगर के समग्र विकास, बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने और राजस्व बढ़ाने के लिए प्रभावी कदम उठाने पर भी सहमति जताई।

मनरेगा: मजदूरी और कर्मियों का भुगतान ठप

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) से जुड़े कर्मचारियों और मजदूरों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। आरोप है कि योजना का नाम और प्रक्रिया बदलने के बाद से ही नियमित भुगतान बाधित हो गया है, जिससे हजारों कर्मचारी और श्रमिक परेशान हैं। जानकारी के अनुसार, कई जिलों में मनरेगा के तहत कार्यरत रोजगार सहायक, तकनीकी सहायक और अन्य फील्ड कर्मचारियों को महीनों से वेतन नहीं मिला है। वहीं मजदूरों की मजदूरी भी समय पर उनके खातों में नहीं पहुंच रही है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में असंतोष लगातार बढ़ रहा है। स्थानीय कर्मचारियों का कहना है कि पहले जहां भुगतान की प्रक्रिया अपेक्षाकृत सरल थी, वहीं अब नई व्यवस्था लागू होने के बाद तकनीकी खामियां, पोर्टल की समस्याएं और प्रशासनिक देरी सामने आ रही हैं। इसके चलते काम तो कराया जा रहा है, लेकिन भुगतान अटका हुआ है। रोजगार सहायक का भी कहना है कि वे रोज़गार की उम्मीद में मनरेगा के तहत काम कर रहे हैं, लेकिन पैसे न मिलने से उनके मुश्किल हो रहा है।

घटना के बाद अस्पताल में भर्ती पीड़िता, पड़ताल जारी

महिला का आरोप- पति के अफेयर विरोध किया तो पीटा, जहर पिलाया

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

छतरपुर में एक महिला को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महिला का आरोप है कि उसे पति ने मारपीट कर जबरदस्ती जहर पिलाया है। इतना ही नहीं महिला का ये भी आरोप है कि पति का पड़ोसन से अफेयर चल रहा है, पति से अफेयर होने के कारण पड़ोसन उसे प्यार करने वाले कभी डरते नहीं गाना गाकर ताना मारती है। पीड़िता के मुताबिक पति के अफेयर का पता चलने के बाद उसने पति को समझाने की कोशिश भी की लेकिन पति नहीं माना और मारपीट करना शुरू कर दी। महिला ने सास पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं।

छतरपुर जिले के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली पूनम नाम की महिला को कथित तौर पर जहरीला पदार्थ पिलाए जाने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूनम की हालत गंभीर है, उसने बताया कि उसकी शादी करीब 10 साल पहले सोनू से हुई थी। उनके दो बच्चे हैं, लेकिन करीब दो साल पहले पति और पड़ोसन के बीच अफेयर हो गया। इस बात का पता जब उसे चला तो विवाद होने लगा और कई बार लिखित शिकायत भी की। साल 2024 में एक समझौता हुआ लेकिन पति सोनू नहीं सुधरा। पूनम ने आरोप लगाते हुए बताया है कि पति का जिस पड़ोसन से अफेयर है वो उसे आए दिन ताना मारती है और प्यार करने वाले कभी डरते नहीं जैसे गाने गाकर चिढ़ाती है। इसी बात को लेकर जब उसने पति और पड़ोसन का विरोध किया तो विवाद बढ़ गया और पति व सास ने मारपीट की। मारपीट के बाद वो पुलिस में शिकायत दर्ज कराने आ रही थी तो उसे पकड़कर घर में बंद कर दिया, गला दबाकर मारने की कोशिश की और उसे जबरदस्ती जहर पिला दिया। पूनम के गले में चोट के निशान भी हैं। पूनम का आरोप है कि पति व पड़ोसन के बीच इंस्टाग्राम पर चैटिंग और वीडियो कॉलिंग होती है और उसने दोनों को आपत्तिजनक हालत में भी देखा था।

पंपों पर लग रही भारी भीड़, केन, बाल्टी और बर्तन लेकर पेट्रोल भराने पहुंच रहे लोग

बड़वानी। दोपहर मेट्रो

ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच चल रहे युद्ध के हालातों के चलते फैली पेट्रोल की किल्लत से जुड़ी कथित अफवाहों ने मध्य प्रदेश के अन्य जिलों की तरह बड़वानी में भी आमजन को चिंता में डाल दिया है। यहां पंपों पर पेट्रोल-डीजल लेने वालों की खासा भीड़ उमड़ने लगी है। मंगलवार रात से अचानक वाहनों की कतारें लगने लगीं, जो देर रात तक लगी रहीं। यही नहीं, बुधवार सुबह से भी बीती देर रात तक पेट्रोल पंपों पर यही नजारा देखने को मिला। कई पेट्रोल पंपों पर तो अलग ही नजारा देखने को मिल रहा है। यहां लोग वाहनों के अलावा अद्धी और बाल्टी के साथ साथ घर के बर्तनों में पेट्रोल भरवाने पहुंच रहे हैं।

बाइक और चार पहिया वाहनों पेट्रोल डलवाने के लिए मशक्कत करते लोग तो आपको कई पेट्रोल पंपों पर नजर आ जाएंगे।, लेकिन बड़वानी के पेट्रोल पंपों पर कुछ लोग प्लास्टिक की बॉटल, बड़े जार और ड्रम, यहां तक की स्टील की बाल्टियां और अन्य बर्तन लेकर पेट्रोल लेने पहुंच रहे हैं। वहीं, पंपों से रात में तो बॉटल में पेट्रोल दिया गया तो सुबह इन्हें बैरंग लौटाया गया। अंचल के कुछ ग्रामीण क्षेत्रों के पंपों पर कहीं एक तो कहीं दो लीटर पेट्रोल बाइक संचालकों को दिया गया। उधर, जिला प्रशासन ने आमजन से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की बात कही है। प्रशासन का दावा है कि, पर्याप्त स्टाक सभी जगह मौजूद है। पानसेमल इलाके के पेट्रोल डीजल पंपों पर मंगलवार शाम से देर रात्रि अचानक ग्राहकों की भीड़ लग गई। कुछ ग्राहकों से जानकारी लेने पर उन्होंने बताया कि डीजल-पेट्रोल के भाव बढ़ने की अफवाह के बाद पंपों पर ईंधन के लिए लंबी कतारें लगने लगी हैं। नगर के बस स्टैंड के निकट एवं दोंडवाड़ा के निकट भी एक पंप पर बिक्री बंद रही। जलगोन रोड, खेतिया रोड और दौंड वाडा के निकट पंप संचालित करने वाले संदीप चौधरी ने बताया कि अभी पर्याप्त स्टाक है। किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं है। वहीं तहसीलदार पानसेमल सुनील सिसोदिया ने क्षेत्रवासियों को अफवाहों से बचने की बात कही है तथा अनावश्यक रूप से ईंधन के अतिरिक्त स्टाक नहीं करने की भी बात कही। देर रात्रि तक घटया, चीखल्दा, जलगौन, कांसुल, आमदा, मोयदा, सहित अन्य ग्रामों से किसान डीजल केन लेकर लाइन में लगे नजर आए। जिला आपूर्ति अधिकारी भारतसिंह जमरे ने बताया कि, जिले के पेट्रोल पंप संचालकों की गूगल मीट पर ऑनलाइन बैठक ली गई।

मेट्रो एंकर

उज्जैन में महाअष्टमी पर आस्था का अनोखा रंग

संतों की अगुवाई में आज होगी पूजा, माता को लगेगा मदिरा का भोग

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

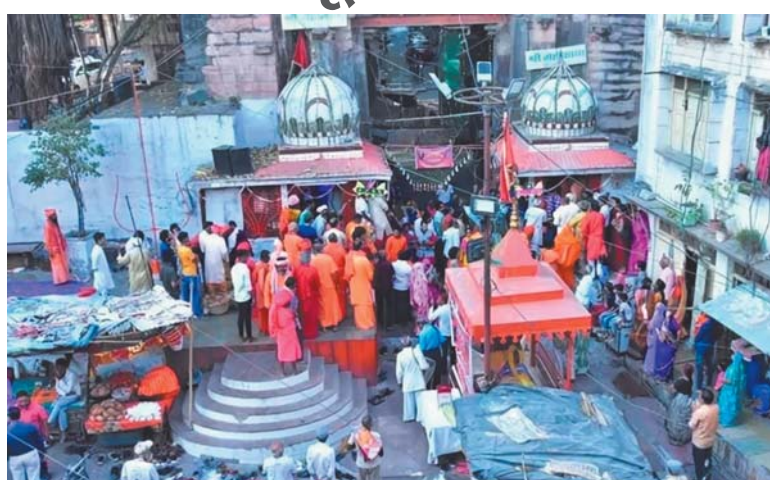

धार्मिक नगरी उज्जैन में सदियों पुरानी परंपराएं आज भी पूरे विधि-विधान से निभाई जा रही हैं। होली पर सिंहपुरी क्षेत्र की कंडों की होली हो या नवरात्रि के दौरान होने वाली नगर पूजा हर परंपरा का विशेष महत्व है। चैत्र नवरात्रि की महाअष्टमी पर होने वाली नगर पूजा की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। अब सभी को आज सुबह 8 बजे का इंतजार है, जब संत-समाज और प्रशासन की मौजूदगी में विशेष पूजन किया जाएगा।

नगरवासियों की सुख-समृद्धि की कामना के साथ हर वर्ष की तरह इस बार भी श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी द्वारा नगर पूजा का आयोजन किया जाएगा। आज चौबीस खंभा स्थित माता महामाया और महालया माता को मदिरा का भोग लगाया जाएगा। इस अवसर पर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविन्द्र पुरी महाराज सहित कई संत, महंत और महामंडलेश्वर उपस्थित रहेंगे। सुबह 8 बजे चौबीस खंभा माता मंदिर से नगर पूजा की शुरुआत होगी। लगभग 28 किलोमीटर लंबी यात्रा में एक हांडी में मदिरा लेकर कोटवार चलते हैं और मार्ग में आने वाले प्रमुख देवी एवं भैरव मंदिरों में ध्वज, चोला और मदिरा अर्पित की जाती है। बैंड-बाजों और जयकारों के बीच यह यात्रा रात 8 बजे अंकपत मार्ग स्थित हांडी फोड़ भैरव मंदिर पर समाप्त होती है।

करीब 12 घंटे तक चलने वाली इस नगर पूजा में 40 से अधिक मंदिरों में पूजन किया जाता है। देवी और भैरव मंदिरों में मदिरा का भोग लगाया जाता है, जबकि हनुमान मंदिरों में ध्वजा अर्पित की जाती है। पूजा में सिंदूर, कुंकुम, अबीर, मेहंदी, चूड़ी, नारियल, चना, सिंघाड़ा, पूरी-भजिए, दूध, दही, इत्र सहित लगभग 40 प्रकार की सामग्रियों का उपयोग होता है। पूजन के पश्चात बड़नगर रोड स्थित अखाड़े में भव्य कन्या पूजन और भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें संत-महंतों, जनप्रतिनिधियों और आम श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में भागीदारी होगी।

बदमाशों ने चालक की आंखों पर पट्टी बांध लूटा 1300 पेटी शराब से भरा ट्राला

सर्चिंग के दौरान जंगल में मिला वाहन जब्त, पुलिस की जांच शुरु

धार। दोपहर मेट्रो

कुक्षी तहसील के टांडा क्षेत्र में बीयर से भरा ट्राला रात के अंधेरे में बदमाशों ने लूट लिया था, वाहन चालक की आंखों पर पटटी बांधकर बदमाश वाहन को जंगल की और ले गए। इस दौरान ट्राला का जीपीएस सिस्टंम भी बंद कर दिया था, जिसके बाद शराब कंपनी से जुडे लोगों ने थाने पर पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने रातभर सर्चिंग ऑपरेशना चलाया व सुबह ट्राला सहित लूटी गई बीयर की पेटियों को जप्ता कर लिया है। ट्राला से पिकअप वाहन में बीयर की पेटियों को रखकर ग्रामीण क्षेत्रों में सप्लालई करने की तैयारी में थे, इसी बीच टांडा पुलिस ने घेराबंदी कर दी।

इस दौरान एक बदमाश को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। साथ ही अन्या लूटेरों की तलाश के लिए बुधवार देर शाम तक पुलिस की अलग-अलग टीमें दबिश देती रही।

दरअसल ट्राला क्रमांक एमपी 9 एचएच 6512 वाहन में इंदौर स्थित वेयर हाऊस से बीयर की 1300 पेटियां रखी गई थी। वाहन को धार से होते हुए आलीराजपुर जिले के चांदपुर तक जाना था, चालक करण सिंह पिता रतन मकवाना के पास बीयर परिवहन के वैध दस्तोवजे मौजूद थे। कल रात करीब ढाई बजे टांडा थाना अंतर्गत जैतगढ़ घाटी के पास अज्ञात बदमाशों ने वाहन को रोक लिया। बदमाशों ने चालक करण के साथ मारपीट की और उसकी आंखों पर पट्टी बांधकर उसे बीच सड़क पर उतार दिया। इसके बाद आरोपी शराब से भरा ट्राला लेकर फरार हो गए।

ट्राले में लगा जीपीएस हुआ बंद

सरकारी शराब होने के कारण वाहन में जीपीएस सिस्टम लगा हुआ था, पकड़े जाने के डर से आरोपियों ने ट्राले में लगे जीपीएस सिस्टम को बंद कर दिया था। जैसे ही शराब कंपनी के कर्मचारियों को जीपीएस सिग्नल बंद होने की सूचना मिली, उन्होंने तुरंत टांडा पुलिस को सूचित किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए टांडा थाना प्रभारी संजय रावत ने टीम के साथ तत्काल सर्चिंग अभियान शुरू किया। पुलिस ने अलसुबह धयडी गांव के पास लूटा गया ट्राला बरामद कर लिया गया। पुलिस के पहुंचने पर बदमाश ट्राले से शराब उतारकर एक पिकअप वाहन में भर रहे थे। पुलिस को देखकर आरोपी मौके से भागने लगे, इस दौरान नुरु पिता गटटु निवासी धयडी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरु की। आरोपी ने बताया कि गांव के ही भुरु पिता गटटु के कहने पर वाहन को लूटने की योजना बनाई थी। थाना प्रभारी संजय रावत ने बताया कि सूचना मिलते ही सर्चिंग शुरु की, वाहन सहित बीयर को बरामद कर लिया है। आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

कूनो नेशनल पार्क के बाद वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में नजर आएंगे चीते

टाइगर रिजर्व में सीएम ने बामनेर नदी में छोड़ें 14 कछुए, चीता प्रोजेक्ट के तहत किया भूमिपूजन

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को अपने जन्मदिन पर दमोह सागर के वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में पहुंचे जहां उन्होंने चीता प्रोजेक्ट के तहत सॉफ्ट रिलीज बोमा का विधि-विधान से भूमिपूजन किया। कूनो नेशनल पार्क में चीता प्रोजेक्ट की सफलता के बाद अब टाइगर रिजर्व को चीतों के घर के रूप में विकसित किया जा रहा है। सॉफ्ट रिलीज बोमा तकनीक के तहत चीतों को नए परिवेश में ढालने के लिए एक बड़े क्षेत्र में विशेष बाड़े (बोमा) तैयार किए जाते हैं जहां उन्हें शुरुआती निगरानी में रखा जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि यह परियोजना न केवल वन्यजीव संरक्षण को मजबूती देगी, बल्कि बुंदेलखंड में इको-टूरिज्म और रोजगार के नए द्वार भी खोलेगी। विशेषज्ञों के अनुसार, वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व का घनत्व और यहां के घास के मैदान चीतों के लिए बेहद अनुकूल हैं। भूमिपूजन कार्यक्रम में वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार, पूर्व मंत्री व रहली विधायक गोपाल भार्गव, देवरी विधायक बृजबिहारी पटेरिया, नरयावली विधायक प्रदीप लारिया समेत अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे

कार्यक्रम के दौरान सीएम ने टाइगर रिजर्व

से गुजरने वाली बामनेर नदी में 14 कछुओं को उनके प्राकृतिक आवास में विमुक्त (रिलीज) किया। इस दौरान उन्होंने पारिस्थितिकी तंत्र में कछुओं की महत्ता पर जोर देते हुए जल संरचनाओं के संरक्षण का आह्वान किया। वन विभाग के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में जिन 14 कछुओं को नदी में छोड़ा गया, वे दो विशिष्ट प्रजातियों के हैं, पहली टेरा प्रिंस प्रजाति के 6 कछुए और सुंदरी प्रजाति के 8 कछुए हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, ये प्रजातियां नदी की स्वच्छता बनाए रखने और जलीय जैव-विविधता के संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं मुख्यमंत्री डॉ. यादव किसान हरदास रैकवार के खेत पर पहुंचे। जहां किसान के परिवार ने कलश रखकर, चंदन रोरी का तिलक लगाते हुए पारंपरिक तरीके से मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण परिवेश में आम के पेड़ की छांव में खाट पर बैठकर भोजन किया। भोजन के पूर्व उन्होंने गौ माता को चारा भी खिलाया। मुख्यमंत्री ने बुंदेली भोजन की तारीफ की। उन्होंने कढ़ी, बिर्रा की रोटी, समां के चावल की खीर, खीचला-पापड़ आदि व्यंजनों का स्वाद चखा।

2339 वर्ग किमी में फैला है प्रदेश का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है। यह दमोह सागर और नरसिंहपुर जिले के 72 ग्रामों को जोड़ते हुए कुल 2339 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में फैला हुआ है। इसे वर्ष 2023 में टाइगर रिजर्व घोषित किया गया था। वर्तमान में इस टाइगर रिजर्व में 32 टाइगर मौजूद हैं।

कूनो से लाए जाएंगे चीते, भेड़ियों की भूमि है अभयारण्य

इस नौरादेही अभयारण्य को मुख्य रूप से भेड़ियों की भूमि माना जाता है, क्योंकि यहां सर्वाधिक भेड़िये पाए जाते हैं। टाइगर रिजर्व में चीतों के अनुकूल भूमि उपलब्ध है, जिस प्रकार की भूमि दक्षिण अफ्रीका में पाई जाती है। इसी अनुकूलता को देखते हुए जल्द ही कूनो अभयारण्य से चीतों को लाकर यहां बसाया जाएगा। टाइगर रिजर्व में बाघ और भेड़िया के अलावा पैंथर, भालू, सियार, लकड़बग्घा, लोमड़ी, जंगली सुअर, नीलगाय, चौसिंगा, काला हिरण, चिंकारा, कछुआ और मगरमच्छ सहित कई वन्यजीव मौजूद हैं।

सप्तमी पर मां कालरात्रि की पूजा

मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़, विधि-विधान से किया पूजन, अष्टमी आज

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में चैत्र नवरात्रि के सातवें दिन श्रद्धा और भक्ति के साथ मां कालरात्रि की पूजा-अर्चना की गई। सुबह से ही नगर के विभिन्न देवी मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ रही। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ पूजा कर माता को जल अर्पित किया और सुख-समृद्धि की कामना की। सप्तमी के अवसर पर मंदिरों में विशेष धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए, जिनमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। भक्तों ने मां कालरात्रि के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। वातावरण में भक्ति और आस्था का माहौल बना रहा, जहां जयकारों से पूरा नगर गूंज उठा। पंडित बलराम शास्त्री छुल्ला वालो ने बताया कि नवरात्रि की सप्तमी तिथि को मां दुर्गा के सातवें स्वरूप मां कालरात्रि की पूजा की जाती है। उन्होंने कहा कि सप्तमी की रात को सिद्धियों की रात भी कहा जाता है, इस दिन विशेष रूप से तांत्रिक साधना का महत्व होता है। मां कालरात्रि को महायोगिनी और महायोगेश्वरी के रूप में भी जाना जाता है। मां कालरात्रि का स्वरूप अत्यंत प्रभावशाली और उग्र माना जाता है। उनका वर्ण श्याम काला है, वे त्रिनेत्रधारी हैं और उनके गले में विद्युत के समान चमकने वाली माला सुशोभित होती है। उनके हाथों में खड्ग और कांटा रहता है तथा उनका वाहन गधा है। हालांकि उनका रूप उग्र है, लेकिन वे अपने भक्तों का सदैव कल्याण करती हैं, इसलिए उन्हें शुभंकरी भी कहा जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, मां कालरात्रि की उपासना से शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है और भय, रोग एवं नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है। ज्योतिषीय दृष्टि से भी उनकी पूजा शनि ग्रह के दुष्प्रभाव को कम करने में सहायक मानी जाती है। इस दिन सहस्त्रार चक्र पर ध्यान लगाने और गुरु का स्मरण करने का विशेष महत्व बताया गया है। संपूर्ण नगर में भक्ति और श्रद्धा का माहौल बना हुआ है, जहां श्रद्धालु पूरे उत्साह के साथ नवरात्रि पर्व मना रहे हैं। आज गुरुवार को नगर एवं क्षेत्र में अष्टमी को कुल देवी देवताओं की पूजा की जाएगी।

जंगल का शाही काफिला

सड़क पर निकला बाघ परिवार, 20 मिनट थमी रही पर्यटकों की सांसें

देवास। दोपहर मेट्रो

खिवनी अभयारण्य में ऐसा नजारा सामने आया, जिसने जंगल सफारी के रोमांच को चरम पर पहुंचा दिया। घनी घास के बीच से अचानक निकला बाघ युवराज सड़क पर आकर ठहर गया और कुछ ही क्षणों में उसके पीछे बाघिन मीरा अपने तीनों शावकों के साथ नजर आई। देखते ही देखते पूरा बाघ परिवार एक साथ सड़क पार करता दिखा, एक ऐसा दुर्लभ दृश्य, जिसे देख पर्यटक रोमांच और उत्साह से भर उठे।

शाम करीब 5.30 बजे का समय था, जब यह अद्भुत दृश्य सामने आया। पर्यटकों के वाहन सुरक्षित दूरी पर रुक गए और सभी ने करीब 20 मिनट तक इस शाही परिवार के दीदार किए। इस दौरान एक पर्यटक ने पूरे परिवार को एक ही फ्रेम में कैद कर लिया, जो अब चर्चा का विषय बना हुआ है। देवास के खिवनी अभयारण्य के अधीक्षक विकास माहोरे के अनुसार, बाघ युवराज दिन में नाले के पास वाले क्षेत्र में अपने परिवार के साथ आराम करता है और शाम होते ही सक्रिय हो जाता है। बुधवार को भी वह अचानक सडक़ पर आकर रुका, मानो अपने साम्राज्य का निरीक्षण कर रहा हो, और फिर अपने परिवार के साथ आगे बढ़ गया। बाघ परिवार का इस तरह एक साथ नजर आना बेहद दुर्लभ होता है। खिवनी अभयारण्य में यह दृश्य पर्यटकों के लिए किसी 'रॉयल मोमेंट' से कम नहीं रहा, जिसने उनके सफारी अनुभव को यादगार बना दिया। वन विशेषज्ञों का कहना है, कि आमतौर पर बाघों को जंगलों में अकेले घूमते देखना आसान है, लेकिन परिवार के साथ खुले में रास्ता पार करते देखना एक बेहद दुर्लभ नजारा है। उनका कहना है कि सड़क पार कराते समय खास तौर पर बाघिन अपने बच्चों को लेकर सतर्क रहती है। नर बाघ अपने परिवार की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए आगे चलकर जहां तक नजर जाती है, वहां तक के पूरे एरिया को स्कैन कर लेता है। इस दौरान वन विभाग के कर्मचारियों ने टूरिस्ट को अलर्ट कर दिया कि वे शांत रहें, उनकी जरा सी लापरवाही जान पर भारी पड़ सकती है या फिर ये दुर्लभ दृश्य देखने का मजा किरकिरा हो सकता है।

नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

नगर के वार्डों में गंदगी और मच्छरों का बढ़ता प्रकोप, बीमारी का खतरा

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर इन दिनों गंदगी और मच्छरों के बढ़ते प्रकोप से जूझ रहा है। नगर परिषद की उदासीनता के चलते वार्डों में कचरे के ढेर लगे हुए हैं और नालियों की सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। हालात यह हैं कि सड़कों पर तो नियमित झाड़ू लग रही है, लेकिन नालियों की सफाई महीनों से नहीं होने के कारण उनमें गंदा पानी जमा हो गया है, जिससे बदबू और मच्छरों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

नगर के विभिन्न वार्डों में कचरे का नियमित उठाव नहीं हो पा रहा है, जिसके कारण जगह-जगह गंदगी के बड़े ढेर दिखाई दे रहे हैं। इन परिस्थितियों से आमजन का जीवन प्रभावित हो रहा है और लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। बीते दिनों नगर के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, विशेषकर वाट्सएप समूहों में नागरिकों ने अपनी नाराजगी खुलकर व्यक्त की है, लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। नगरवासियों मनीष रैकवार आशीष, कमल का कहना है कि नगर परिषद द्वारा हर वर्ष लाखों रुपये खर्च कर कीटनाशक और ब्लिचिंग पाउडर की खरीद की जाती है, ताकि मच्छरों और कीटों से बचाव किया जा सके। इसके बावजूद पिछले लंबे समय से न तो नालियों में कीटनाशकों का छिड़काव किया जा रहा है और न ही फॉगिंग मशीन का उपयोग किया जा रहा है। नागरिकों के अनुसार, पिछले लगभग तीन वर्षों से नगर में फॉगिंग मशीन का उपयोग नहीं हुआ है, जिससे मच्छरों का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है।

स्थानीय नागरिक रत्नेश जैन, ऋषभ साहू, और सोनू राय ने बताया कि नालियों में महीनों से गंदा पानी जमा है, जिससे मच्छरों का पनपना स्वाभाविक है। इसके अलावा सँदीपिनी विद्यालय के पास स्थित कचरा घर से उड़ने वाली गंदगी आसपास के स्कूल, महाविद्यालय, छात्रावास और घरों तक पहुंच रही है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी खतरे भी बढ़ गए हैं। नगरवासियों ने नगर परिषद से मांग की है कि नालियों की नियमित सफाई कराई जाए, कचरे का समय पर उठाव सुनिश्चित किया जाए और फॉगिंग मशीन के माध्यम से नियमित कीटनाशक छिड़काव किया जाए। साथ ही, कचरा प्रबंधन व्यवस्था को भी सुव्यवस्थित करने की आवश्यकता जताई गई है, ताकि नगर को स्वच्छ और सुरक्षित बनाया जा सके।

युवक की शादी कराने का झांसा देकर 62 हजार ठगे, जांच जारी

धार। दोपहर मेट्रो

जिले के सरदारपुर तहसील अंतर्गत राजोद थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर 62 हजार रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। ग्राम बोडिया निवासी मुलचंद भाभर ने शिकायत दर्ज कराई है कि उसके बेटे की शादी कराने के नाम पर आरोपियों ने उससे यह राशि ऐंठ ली और बाद में फरार हो गए। पुलिस ने इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फरियादी मुलचंद के अनुसार, उन्होंने अपने पुत्र विजय की शादी के लिए गोदीखेड़ा चारण निवासी मनीराम मेड़ा से संपर्क किया था। मनीराम ने उन्हें जीराबाद निवासी ताराबाई पंचोली और धानी निवासी नेहा गेहलोत से मिलवाया।

15 जनवरी 2026 को ताराबाई और नेहा मुलचंद के घर पहुंचे। यहां लड़के और लड़की की मुलाकात कराई गई, और दोनों ने एक-दूसरे को पसंद कर लिया। इसके बाद ताराबाई ने शादी तय कराने के लिए पैसों की मांग की, जिस पर मुलचंद ने पहले 21 हजार रुपए नकद दिए। अगले दिन ताराबाई और नेहा फिर घर आए और शादी की तारीख तय करने की बात कही। इस दौरान फरियादी से 11 हजार रुपए फोनपे के माध्यम से और 10 हजार रुपए नकद लिए गए। इसके बाद 6 फरवरी 2026 को 20 हजार रुपए और ऑनलाइन ट्रांसफर करवाए गए। इस प्रकार आरोपियों को कुल 62 हजार रुपए दिए गए। शादी की तारीख 20 फरवरी 2026 को उज्जैन स्थित गायत्री मंदिर में तय की गई थी। इसी बीच ताराबाई युवती नेहा को फरियादी के घर छोड़कर चली गई। कुछ ही समय बाद नेहा भी बहाना बनाकर वहां से चली गई। जब मुलचंद ने ताराबाई से संपर्क किया, तो वह टालमटोल करने लगी और पैसे वापस नहीं किए। राजोद थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(1) एवं 3(5) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। फिलहाल आरोपी फरार बताए जा रहे हैं, जिनकी पुलिस द्वारा तलाश की जा रही है। मामले में आगे की जांच जारी है।

मेट्रो एंकर इंदौर-दाहोद नई रेल लाइन परियोजना, अधिकारियों ने की पूजा-अर्चना

पीथमपुर से धार तक ट्रैक कार्य पूर्ण, सफल इंजन ट्रायल संपन्न

धार। दोपहर मेट्रो

आजादी के बाद पहली मर्तबा आदिवासी बाहुल्य जिले में रेल की सिटी की आवाज सुनाई दी थी, ट्रैक पर सफल ट्रायल के बाद बुधवार को फाइनल टेस्टिंग का कार्य भी सफलता पूर्वक पूरा हो चुका है। इस ट्रायल के दौरान टॉवर वैगन ने 38.26 किलोमीटर की दूरी 54 मिनट में तय की। इस दौरान टॉवर वैगन की अधिकतम गति लगभग 50 किलोमीटर प्रति घंटा रही। इस रेलखंड पर विद्युतीकरण और सिगनलिंग का कार्य भी तेजी से जारी है। पीथमपुर, सागौर, गुणावद और धार स्टेशनों पर स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म, सर्कुलेटिंग एरिया और कवर शेड सहित अन्य आधारभूत सुविधाओं का निर्माण कार्य भी शीघ्रता से किया जा रहा है। वहीं आरओबी के काम भी तेजी से किए जा रहे है। इसमें इंदौर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर बन रहे

आरओबी की एक लेन शुरू करने के साथ ही यातायात शुरू कर दिया है। वहीं आरओबी के नीचे ट्रैक काम भी पूरा हो चुका है। दरअसल साल 2008 में शुरू हुई इस परियोजना की शुरुआती लागत मात्र 678 करोड़ थी, जो भूमि अधिग्रहण और तकनीकी कारणों से हुई देरी की वजह से अब 1800 करोड़ के पार पहुँच गई है। पीथमपुर के सेक्टर को माल ढुलाई में बड़ी राहत मिलेगी। धार और झाबुआ के आदिवासी अंचलों से इंदौर और गुजरात की कनेक्टिविटी बढ़ने से व्यापार और रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे। धार रेलवे स्टेशन पर लगभग 75 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है।पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल के अंतर्गत इंदौर-दाहोद नई रेल लाइन परियोजना के निर्माण कार्य में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। परियोजना के तहत पीथमपुर से धार के बीच 38.26 किलोमीटर लंबे रेलखंड पर ट्रैक बिछाने का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। इससे पहले इंजन और ट्रैक की पूजा-अर्चना की गई। मुख्य प्रशासनिक अधिकारी विनीत गुप्ता के मार्गदर्शन में पीथमपुर से धार के बीच इंजन (टॉवर वैगन) ट्रायल किया गया।

टनल निर्माण अंतिम चरण में

परियोजना के तहत टीहीं के पास स्थित टनल का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है और वहां ट्रैक डालने का काम प्रगति पर है। ट्रैक बिछाने और ट्रैक मशीन द्वारा पैकिंग कार्य पूरा होने के बाद 23 और 24 मार्च को प्रारंभिक परीक्षण किए गए थे। इस अवसर पर मुख्य इंजीनियर (निर्माण), चर्चगेट धीरज कुमार, उप मुख्य इंजीनियर (निर्माण), इंदौर अंकुर सिंह और दिनेश कुमार मीना सहित निर्माण विभाग के अन्य अधिकारी और पर्यवेक्षक उपस्थित थे। इंदौर-दाहोद नई रेल लाइन परियोजना पूरी होने पर क्षेत्र में रेल संपर्क मजबूत होगा। इससे औद्योगिक और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय नागरिकों को बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी।

आईपीएल 2026 की कैप्टंस मीट मुंबई में, बीसीसीआई के हेडक्वार्टर में जुटे 10 टीमों के कप्तान

20 का दिनों का शेड्यूल जारी, 13 शहरों में खेले जाएंगे मुकाबले

मुंबई, एजेंसी

आईपीएल 2026 का कैप्टंस मीट मुंबई में हुआ, जिसमें सभी 10 टीमों के कप्तान बीसीसीआई के हेडक्वार्टर में जुटे। बीसीसीआई ने मीट के कुछ फोटोज शेयर किए हैं। इस सीजन को दो फेज में खेला जाएगा और फिलहाल शुरूआती 20 दिनों का शेड्यूल जारी किया गया है। इस बार देश के 13 अलग-अलग शहरों में मुकाबला खेले जाएंगे। आईपीएल 2026 का ओपनिंग मैच 28 मार्च को डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा।

पहली बार सभी 10 टीमों के कप्तान भारतीय- आईपीएल 2026 में पहली बार ऐसा हो रहा है, जब सभी 10 टीमों की कमान भारतीय हाथों में है। लीग में कुल 10 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इनमें चेन्नई सुपर किंग्स, मुंबई इंडियंस, कोलकाता नाइट राइडर्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, दिल्ली कैपिटल्स, राजस्थान रॉयल्स, पंजाब किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद, लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटंस शामिल हैं। फिलहाल 20 मैचों का शेड्यूल जारी किया गया है अप्रैल-मई के दौरान पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसमें आईपीएल मैच होस्ट करने वाले राज्य बंगाल, तमिलनाडु और असम भी शामिल हैं। इसी वजह से

हर टीम 16 मुकाबले खेलेगी

लीग में कुल 10 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इनमें चेन्नई सुपर किंग्स, मुंबई इंडियंस, कोलकाता नाइट राइडर्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, दिल्ली कैपिटल्स, राजस्थान रॉयल्स, पंजाब किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद, लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटंस शामिल हैं।

प्लेऑफ कब से होंगे?

अभी पूरा शेड्यूल जारी नहीं हुआ है, लेकिन बीसीसीआई ने इतनी जानकारी दे दी है कि फाइनल 31 मई को बेंगलुरु में खेला जाएगा। इस हिसाब से 26 मई को पहला क्वालिफायर, 27 मई को एलिमिनेटर और 29 मई को दूसरा क्वालिफायर खेला जा सकता है।

सबसे महंगे खिलाड़ी

आईपीएल 2026 के ऑक्शन में ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन सबसे महंगे खिलाड़ी रहे, जिन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स ने? 25.20 करोड़ में खरीदा। वहीं भारतीय अनकैप्ड खिलाड़ियों में प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा को चेन्नई सुपर किंग्स ने 14.20-14.20 करोड़ में अपनी टीम में शामिल किया।

कितने ग्राउंड्स पर मैच होंगे

आईपीएल 2026 के मुकाबले इस बार भारत के 13 अलग-अलग शहरों में खेले जाएंगे। 10 टीमों में 7 ने 1-1 होमग्राउंड चुना, वहीं बेंगलुरु, पंजाब और राजस्थान के पास 2-2 होमग्राउंड हैं। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में 13 साल बाद कोई आईपीएल मैच खेला जाएगा। आरसीबी ने इसे अपना सेकेंड होम वेन्यू बनाया है। रायपुर स्टेडियम में आखिरी बार 2013 में दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मैच हुआ था।

इस बार क्या नया?

मैच वाले दिन प्रैक्टिस नहीं: किसी भी टीम को मैच के दिन नेट प्रैक्टिस करने की परमिशन नहीं होगी। कोई टीम दूसरी टीम के नेट्स का इस्तेमाल नहीं कर सकती। अगर एक टीम जल्दी प्रैक्टिस खत्म कर दे, तो भी दूसरी टीम उस पिच पर नहीं खेल पाएगी।

यात्रा और सुरक्षा नियम: खिलाड़ियों को टीम बस से ही सफर करना होगा। परिवार के सदस्यों को केवल हॉस्पिटैलिटी जोन में ही रहने की परमिशन होगी।

खिलाड़ी और टीम अनुशासन: सभी स्टाफ मेंबर्स को हर समय अपना आईडी कार्ड साथ रखना होगा। डगआउट और मैदान में बच्चों या बिना परमिशन वाले फैमिली मेंबर्स को लाने की मनाही रहेगी।

ब्रॉडकास्ट और ड्रेस कोड: ऑरेंज और पर्पल कैप रखने वाले खिलाड़ियों को मैच के दौरान कैप पहनना ही होगा। अगर फील्डिंग के दौरान कैप उतारने का मन करे तो भी पारी के शुरूआती 2 ओवर कैप पहननी पड़ेगी। पोस्ट-मैच प्रेजेंटेशन के दौरान स्लीवलेस जर्सी नहीं पहन सकेंगे।

पिछली चैंपियन कौन?

आईपीएल 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) डिफेंडिंग चैंपियन है। आरसीबी ने पिछले सीजन शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना पहला आईपीएल खिताब जीता था। टीम ने 2025 के फाइनल में पंजाब किंग्स को 6 रन से हराया था।

कहां देख सकेंगे आईपीएल 2026?

आईपीएल 2026 के मुकाबले टीवी पर स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर प्रसारित किए जाएंगे, जबकि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इन्हें जियो हॉटस्टार के जरिए देखा जा सकेगा। इसके अलावा आप लाइव स्कोर, मैच अपडेट्स और अन्य जानकारी दैनिक भास्कर एप पर भी आसानी से पढ़ सकते हैं।

रियान के साथ राजस्थान रॉयल्स के नए युग की शुरुआत

क्या पराग खत्म कर सकेंगे खिताब का सूखा?

नई दिल्ली, एजेंसी

राजस्थान रॉयल्स के लिए एक नए दौर की शुरुआत हो चुकी है। टीम अब रियान पराग की कप्तानी में मैदान पर उतरेगी, जबकि पूर्व कप्तान संजू सैमसन के जाने के बाद टीम पूरी तरह ट्रांजिशन फेज में है। ऐसे में फैंस की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या यह युवा टीम अपने खिताब के सूखे को खत्म कर पाएगी।

राजस्थान रॉयल्स की सबसे बड़ी ताकत उनका मजबूत भारतीय बल्लेबाजी कोर है। यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल और खुद रियान पराग टीम की रीढ़ हैं। इसके अलावा टीम में ऑलराउंडर्स की भरमार है। रवींद्र जडेजा और दासुन शनाका जैसे खिलाड़ी बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजी में भी योगदान दे सकते हैं। विदेशी स्टार शिमरॉन हेटमायर टीम को फिनिशिंग टच देने में अहम भूमिका निभाएंगे। वहीं, अब टीम में रवींद्र जडेजा और दासुन शनाका भी शामिल होंगे। सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या रियान पराग कप्तान के रूप में संजू सैमसन की कमी पूरी कर पाएंगे? यह उनके करियर का सबसे बड़ा मौका है। अगर वे कप्तानी के साथ अपनी बल्लेबाजी में भी निरंतरता लाते हैं, तो टीम को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं। साथ ही युवा प्रतिभा वैभव सूर्यवंशी पर भी सबकी नजरें रहेंगी।

रॉयल्स के लिए खतरे

टीम के पास विदेशी खिलाड़ियों की भरमार है, जिससे सही कॉम्बिनेशन चुनना चुनौती बन सकता है। जोफ्रा आर्चर, एडम मिल्ने, शिमरॉन हेटमायर और दासुन शनाका जैसे खिलाड़ियों में से सिर्फ चार ही प्लेइंग इलेवन में जगह बना पाएंगे। सही संतुलन नहीं बना तो टीम को नुकसान उठाना पड़ सकता है।

कैसा रह सकता है इस सत्र में राजस्थान का प्रदर्शन?- अगर रियान पराग अपनी कप्तानी और प्रदर्शन में संतुलन बना पाते हैं और मिडिल ऑर्डर जिम्मेदारी लेता है, तो राजस्थान रॉयल्स इस बार प्लेऑफ की मजबूत दावेदार बन सकती है। लेकिन अगर पुरानी गलतियां दोहराई गईं, खासकर दबाव में टूटने की आदत, तो टीम के लिए यह सीजन भी मुश्किल साबित हो सकता है।

इधर, क्या श्रेयस दिला पाएंगे पंजाब को पहला खिताब?

आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स एक ऐसी टीम के रूप में उतर रही है, जिसे अब पहचान खोजने की जरूरत नहीं है। टीम के पास मजबूत कप्तान श्रेयस अय्यर, संतुलित भारतीय कोर और दमदार स्क्वॉड है। कागज पर यह टीम इस सीजन की सबसे संतुलित टीमों में गिनी जा सकती है।

पंजाब किंग्स की ताकत- पंजाब किंग्स के पास कई तरह के कॉम्बिनेशन बनाने की क्षमता है। वे पिच और विपक्ष के हिसाब से अतिरिक्त तेज गेंदबाज, स्पिन विकल्प या बल्लेबाजी गहराई जोड़ सकते हैं। यह लचीलापन उन्हें हर मैच में अलग रणनीति अपनाने की आजादी देता है।

मजबूत भारतीय कोर- अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, प्रभसिमरन सिंह, शशांक सिंह और नेहल वढेरा जैसे खिलाड़ियों के कारण टीम अब विदेशी खिलाड़ियों पर पूरी तरह निर्भर नहीं है। यह पंजाब किंग्स को पिछले सीजनों से ज्यादा संतुलित बनाता है।

गेंदबाजी में विविधता- अर्शदीप सिंह पावरप्ले और डेथ ओवर के स्पेशलिस्ट हैं। चहल मिडिल ओवर्स में विकेट लेने में माहिर हैं। वहीं, मार्को यानसन उछाल और नई गेंद से खतरा पैदा कर सकते हैं। हरप्रीत बराड़ कंट्रोल और मैचअप विकल्प के तौर पर मौजूद हैं।

चार कीवी गेंदबाजों ने लगाई छलांग;

अभिषेक, ईशान, तिलक और सूर्या शीर्ष 10 में बरकरार

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन के साथ पुरुषों की आईसीसी टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों को फायदा मिला है। इस लिस्ट में चार कीवी तेज गेंदबाजों ने अपनी रैंकिंग में सुधार किया है।न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी20 सीरीज के शुरुआती चार मुकाबले उतार-चढ़ाव भरे रहे हैं, जिसमें दोनों टीमों के खिलाड़ियों के प्रदर्शन के कारण रैंकिंग में काफी फेरबदल हुआ। अनुभवी तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन को इसका सबसे ज्यादा फायदा मिला। फर्ग्यूसन ने ऑकलैंड में मैच जिताऊ स्पेल डाला था। उन्होंने महज नौ रन देकर एक विकेट हासिल किया था, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस प्रदर्शन ने उन्हें 12 पायदान ऊपर चढ़ाकर 39वें स्थान पर पहुंचा दिया है।

शीर्ष-10 बल्लेबाजों की रैंकिंग में चार भारतीय

भारत के अभिषेक शर्मा टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। वह फिलहाल हमवतन ईशान किशन से आगे चल रहे हैं। हालांकि, भारत की टी20 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव दो पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज टिम रॉबिन्सन उन चुनिंदा बल्लेबाजों में से एक रहे जिन्होंने रैंकिंग में सुधार किया। वेलिंगटन में 32 रनों की पारी खेलने के बाद वह दो पायदान ऊपर चढ़कर 34वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

वर्ल्ड चैंपियन बॉक्सर से ट्रेनिंग ले रहीं हानिया नया प्रोजेक्ट या रिंग में उतरने का है प्लान?

पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर का नाम लेता ही आंखों के सामने उनका डिंपल वाला क्यूट सा फेस आ जाता है। ज्यादातर लोग उनके शोज या उनके मस्तमौला अंदाज के बारे में सोचने लगते हैं। पर शायद ही कोई उन्हें बॉक्सिंग रिंग में इमेजिन कर पाता होगा। अगर अब तक आपने हानिया की टफ इमेज के बारे में नहीं सोचा है, तो अब सोचने लगेंगे। वर्ल्ड यूथ बॉक्सिंग चैंपियन उस्मान वजीर के लिए हानिया सिर्फ खूबसूरत एक्ट्रेस नहीं हैं, बल्कि वो फाइटर भी हैं। उस्मान वजीर बॉक्सिंग फील्ड का बड़ा और जाना-माना नाम हैं। वो कई हाई-प्रोफाइल सेलेब्स को ट्रेनिंग देते हैं। इनमें से एक हानिया आमिर भी हैं। जियो पॉडकास्ट में बॉक्सिंग चैंपियन ने एक्ट्रेस के बारे में बात की है। उस्मान ने कहा कि पर्दे के पीछे एक टफ

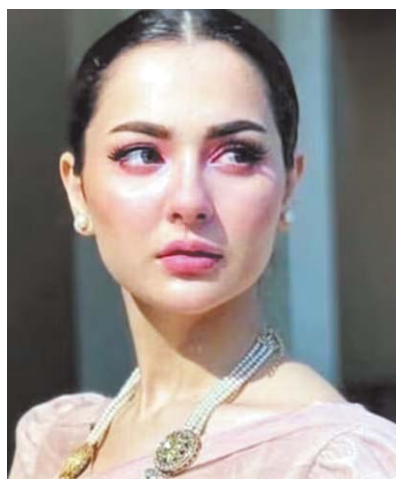

महिला हैं।

हानिया क्यों ले रही हैं बॉक्सिंग की ट्रेनिंग?- बॉक्सर ने कहा कि लोगों को हानिया का ये रूप नहीं दिखा, जो अकसर क्यूट और नाजुक मानी जाती हैं। आपने हानिया का सिर्फ एक तरफा रूप देखा है। पर वो जिस तरह बॉक्सिंग करती हैं, स्पैरिंग और उनके अंदर की एनर्जी, वो तो लोगों ने अभी तक देखी ही नहीं है। उस्मान ने ये भी बताया कि हानिया तेजी से नई स्किल्स सीख रही हैं। एक्ट्रेस जल्द ही रिंग में अपनी पहली कॉम्पिटिटिव बॉक्सिंग मैच के लिए तैयार हो जाएंगी। मैंने ही सोशल मीडिया पर उन्हें बॉक्सिंग ट्रेनिंग से रिलेटेड अभी कुछ ना शेयर करने के लिए कहा है। मेरी परमिशन मिलते ही वो फैन्स के लिए वीडियो शेयर करने लगेंगी।

बेशकीमती रत्नों से जड़ी हैं अंगूठियां

बॉक्सर ने कहा कि इंडिया के खिलाफ फाइट में बहुत प्रेशर होता है, क्योंकि उनकी मम्मी भी कहती हैं कि ये फाइट दूसरे राउंड में न जाए, जल्दी खत्म करो। उस्मान ने ये भी कहा कि बॉक्सर्स को पाकिस्तान सरकार से खास सपोर्ट नहीं मिलता है, जिससे वो बेहद दुखी हैं। हानिया आमिर, उस्मान वजीर से बॉक्सिंग की ट्रेनिंग क्यों ले रही हैं। इस पर उन्होंने अभी कुछ नहीं कहा है। पर कयास लगाए जा रहे हैं कि हानिया ये ट्रेनिंग अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट के लिए ले रही होंगी। क्यूट सी दिखने वाली हानिया आमिर बॉक्सिंग भी करना जानती हैं, ये उनके चाहने वालों के लिए सप्राइजिंग है।

फिर शुरु होगा FIR इंस्पेक्टर चंद्रमुखी चौटाला का वीडियो वायरल, दिया हिंट

टीवी का सबसे पसंदीदा कॉमेडी शो F.I.R भले ही सालों पहले बंद हो गया हो, लेकिन इसके किरदारों का जादू आज भी फैंस के सिर चढ़कर बोलता है। चाहे वो इंस्पेक्टर चंद्रमुखी चौटाला का हरियाणवी अंदाज हो या हवलदार गोपीनाथ की बात को काटिए नहीं वाली कॉमेडी। हाल ही में जब इस शो की लीड एक्ट्रेस कविता कौशिक ने गोपी भल्ला (हवलदार गोपी) के साथ एक रील शेयर की, तो सोशल मीडिया पर फैंस एक्साइटेड हो गए। हर कोई बस यही पूछ रहा है कि क्या शो का नया सीजन आने वाला है? कविता ने इस रील के जरिए शो की वापसी की संभावनाओं पर बड़ी ही बेबाकी और मजाकिया अंदाज में चर्चा की है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में गोपी भल्ला अपनी को-एक्टर कविता कौशिक से पूछते नजर आ रहे हैं कि वह आजकल क्या कर रही हैं? इस पर कविता बड़े ही कैजुअल अंदाज में जवाब देती हैं, ।मैं आजकल

अपना हेयर केयर कर रही हूं।। इसी दौरान गोपी भल्ला चुटकी लेते हुए उनसे पूछते हैं कि अगर आप फ्री हैं, तो क्या हम फिर से F.I.R बना सकते हैं? कविता ने इस सवाल का जवाब तो दिया, लेकिन उसमें शो की पूरी टीम के मौजूदा बिजी शेड्यूल का दर्द भी झलका। शो की वापसी के सवाल पर कविता कौशिक ने एक-एक कर टीम के बाकी सदस्यों का हाल बताया। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा, F.I.R बना तो सकते हैं, लेकिन यार किकू शारदा (गुलगुले) तो कपिल शर्मा के शो में बिजी हैं। वहीं बजरंग पांडे यानी आमिर अली आजकल ओटीटी की दुनिया में छाए हुए हैं, अब बचा बिल्लू (संदीप आनंद), तो वो अब खुद डायरेक्टर बन गया है। कविता ने हंसते हुए आगे कहा कि जब टीम के मुख्य सिपाही ही अलग-अलग जगहों पर बिजी हैं, तो अब वो और गोपी भल्ला अकेले क्या भांगड़ा करेंगे?

मेट्रो बाजार

केंद्र का को-ऑपरेटिव डिविडेंड इनकम पर बड़ा ऐलान, तीन साल तक मिलेगी टैक्स छूट

नई दिल्ली,। केंद्र सरकार की ओर से को-ऑपरेटिव डिविडेंड इनकम पर बड़ा ऐलान किया गया। अब नेशनल को-ऑपरेटिव फेडरेशन से आने वाली डिविडेंड आय पर तीन साल की टैक्स छूट मिलेगी। इस कदम का उद्देश्य देश के छोटे को-ऑपरेटिव को मजबूत करना है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में कहा कि इस टैक्स छूट का उद्देश्य को-ऑपरेटिव में कम हिस्सेदारी वाले सदस्यों को प्रोत्साहन देना है, जिससे अधिक संख्या में लोग को-ऑपरेटिव से जुड़े। वित्त मंत्री ने कहा कि को-ऑपरेटिव, एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) और किसान मिलकर देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने और रोजगार के अवसर पैदा करने में अहम भूमिका निभाएंगे। फाइनेंस बिल पर चर्चा के दौरान बोलते हुए वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि समावेशी विकास के लिए लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), किसानों और को-ऑपरेटिव को सशक्त बनाना आवश्यक है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा, ÷ये क्षेत्र भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, और विभिन्न उद्योगों और क्षेत्रों में रोजगार सृजन में सहायक हैं।÷ वित्त मंत्री ने फाइनेंस बिल में डेटा सेंटर सेवाओं से संबंधित एक नए प्रावधान के बारे में भी बताया। वित्त मंत्री के मुताबिक, सेफ हार्बर नियम के तहत, संबंधित विदेशी संस्थाओं को ऐसी सेवाएं प्रदान करने वाली भारतीय कंपनियों को लागत पर 15 प्रतिशत का मार्जिन मिलेगा।

अब नहीं होगी पेट्रोल-डीजल की कोई कमी, रूस ने खोली टंकी, वेनेजुएला से भी आ रही डिलीवरी

नई दिल्ली। ईरान युद्ध के कारण पैदा हुई तेल संकट की स्थिति के बीच भारत ने रूस से भारी मात्रा में तेल खरीदा है। भारतीय कंपनियों रूस से करीब 60 मिलियन बैरल कच्चा तेल खरीदा है जो अगले महीने यानी अप्रैल में भारत पहुंचेगा। साथ ही भारत में दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला से भी 8 मिलियन बैरल कच्चे तेल की खरीद की है जो अगले महीने डिलीवर होगा। होर्मुज की खाड़ी से जहाजों की आवाजाही बंद होने के कारण ग्लोबल सप्लाई में भारी बाधा आई है। इसे इतिहास का सबसे बड़ा तेल संकट माना जा रहा है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि भारतीय रिफाइनरी कंपनियों ने रूसी तेल की खरीद ब्रेंट से 5 डॉलर से 15 डॉलर प्रति बैरल के प्रीमियम पर की है।

डेटा इंटेलीजेंस फर्म केपीएलईआर भारत ने इस महीने भी रूस से इतना ही तेल खरीदा है लेकिन यह फरवरी में खरीदे गए तेल से दोगुना है। अमेरिका ने भारत को 5 मार्च से पहले लोड किए जा चुके कच्चे तेल को खरीदने के लिए 30 दिन की छूट दी थी। बाद में दूसरे देशों को भी 12 मार्च से पहले लोड किए जा चुके रूसी तेल को खरीदने की छूट दी गई। भारत अपनी जरूरत का करीब 90 फीसदी तेल आयात करता है। होर्मुज की खाड़ी से आयात बंद होने के कारण ग्लोबल सप्लाई टाइट हो गई है। यूक्रेन युद्ध के बाद से रूस भारत को कच्चे तेल का सबसे बड़ा सप्लायर बना हुआ था लेकिन अमेरिका के दबाव के कारण पिछले साल के अंत में भारत ने रूस से तेल की खरीद कम कर दी थी।

कोटा-इटावा के बीच बनेगा 404 किमी लंबा अटल प्रोग्रेस-वे

» अधिग्रहण के लिए चिह्नित 90 गांवों की जमीनों का होगा सत्यापन, दो गुना पैसा देगी एनएचएआई

मुरैना। कोटा से इटावा के बीच 404 किमी लंबाई का अटल प्रोग्रेस-वे अब पुराने रूट अलाइनमेंट पर ही बनाया जाएगा। राज्य शासन से ऐसा संकेत मिलने के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने मुरैना जिले के 90 गांव की पूर्व में चिह्नित की गई जमीन का सत्यापन कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

ऐसा इसलिए किया जा रहा है, ताकि तीन साल के गैप के दौरान किसानों ने अधिग्रहण के लिए चिह्नित जमीनों को कहीं बेच तो नहीं दिया। सत्यापन के बाद जमीन अधिग्रहण के लिए किसानों के नाम उनके गांव व रकबा का प्रकाशन किया जाएगा।

किसानों के खातों में पैसा होगा ट्रांसफर

दावे-आपत्ति के बाद किसानों के बैंक खातों में उनकी जमीन का पैसा ट्रांसफर किया जाएगा। अटल प्रोग्रेस-वे का पुराना रूट अलाइनमेंट 90 गांव से होकर गुजरेगा। इसमें सबलगढ़ के 11 गांव, जौरा के 29 गांव, मुरैना के 15 गांव, अंबाह के 10 गांव, पोरसा के 25 गांव की जमीन शामिल हैं। छह साल पहले 2020 में जब इस प्रोजेक्ट का सर्वे किया गया तो किसानों की जमीन का अधिग्रहण किए जाने के लिए उनकी सूची तैयार की गई थी।

न्यूज विंडो

असम : सियासी हलचल बढ़ी, हिमंत बोले- कांग्रेस को वोट नहीं मिलेंगे

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने विपक्षी दल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि राज्य में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में कोई भी स्थानीय मूल भारतीय कांग्रेस को वोट नहीं देगा। बता दें कि असम की सभी 126 विधानसभा सीटों पर 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होना है।

गुवाहाटी में पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व में असम की स्थिति पूरी तरह बदल गई है। उन्होंने कहा कि आज लोग अपनी मजबूत संस्कृति और विरासत पर आधारित एक नया असम देख रहे हैं। सरमा के अनुसार, बांग्लादेशी घुसपैठियों को छोड़कर राज्य के सभी लोग भाजपा के साथ हैं। उन्होंने कहा कोई भी स्थानीय मूल भारतीय कांग्रेस का साथ नहीं देंगा। मुख्यमंत्री ने आगे कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कांग्रेस भारत में कभी सरकार नहीं बना सकती। उन्होंने तंज कसते हुए कहा जब भी कांग्रेस सरकार बनाएगी, तो वह पाकिस्तान या बांग्लादेश में हो सकती है। उन्होंने सवाल किया कि जब कांग्रेस का भारत में कोई भविष्य नहीं है, तो कोई उस पार्टी में क्यों जाना चाहेगा। सरमा की ये टिप्पणियां आगामी चुनावों से पहले राज्य में लगातार बढ़ते राजनीतिक तनाव के बीच आई हैं।

यमुनोत्री धाम: हिमस्खलन से मार्ग क्षतिग्रस्त, कई मजदूर फंसे

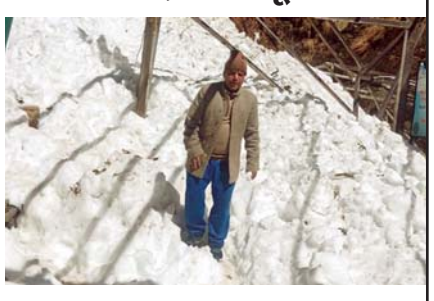

उत्तकाशी। यमुनोत्री धाम में बीते दिनों हुई बर्फबारी के दौरान हिमस्खलन होने के कारण घोड़ापड़ाव सहित आसपास के टिनशेड सहित मंदिर को जोड़ने वाले मार्ग को नुकसान हुआ है। साथ ही भैरो घाटी में भी इस कारण पैदल मार्ग पूर्णत क्षतिग्रस्त हुआ है। साथ ही जगह-जगह विशालकाय पेड़ टूटे होने के कारण वहां पर अव्यवस्था बनी हुई है। लेकिन प्रशासन की ओर से इसके सुधारीकरण के लिए अभी तक कोई कदम नहीं उठाए गए हैं। आगामी चारधाम यात्रा को देखते हुए यमुनोत्री मंदिर समिति के कोषाध्यक्ष प्रदीप उनियाल और सहसचिव गौरव उनियाल ने धाम का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि बीते दिनों हुई बर्फबारी के कारण धाम में बहुत नुकसान हुआ है। वहां पर मंदिर के सामने घोड़ापड़ाव और अन्य टीनशेड एवलांच आने के कारण पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं। साथ ही पैदल मार्ग भी क्षतिग्रस्त हुआ है। बताया कि वहां कई फीट बर्फ जमा है। साथ ही भैरो घाटी में एवलांच आने के कारण कई जगहों पर मार्ग क्षतिग्रस्त होने के साथ ही बर्फ से पटा हुआ है।

साउथ के मशहूर अभिनेता और निर्देशक ई. ए. राजेंद्रन का निधन

त्रितल्लूर। मशहूर अभिनेता और निर्देशक ई. ए. राजेंद्रन का 71 साल की उम्र में निधन हो गया है। उन्होंने कोल्लम के पट्टाथानम स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। मनोरमा ऑनलाइन की रिपोर्ट के अनुसार, ई. ए. राजेंद्रन लंबे समय से उम्र से संबंधित बीमारियों का इलाज करवा रहे थे। त्रिशूर जिले के त्रितल्लूर के मूल निवासी राजेंद्रन अपने पीछे अपनी पत्नी संध्या राजेंद्रन को छोड़ गए हैं। उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार, 27 मार्च को उनके पैतृक स्थान त्रितल्लूर में होगा।

राजेंद्रन ने बहुत कम उम्र में ही अपने फिल्मी सफर की शुरुआत कर दी थी। त्रिशूर यूपी स्कूल में अपने पढ़ाई के दौरान, उन्होंने नाटकों में हिस्सा लेना शुरू किया था। कॉलेज की पढ़ाई पूरी करने के बाद, उन्होंने दिल्ली स्थित नेशनल स्कूल ऑफ़ ड्रामा (ह्स्ष्ठ) में दाखिला लिया। उन्होंने अभिनय में प्रथम श्रेणी के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की और बाद में पुणे के फिल्म संस्थान से टेलीविजन का कोर्स किया।

रिपब्लिकन कार्यक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति का अजीब दावा

ट्रंप बोले-मुझे सुप्रीम लीडर बनाना चाहता है ईरान, मैंने मना कर दिया

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दावा कर रहे हैं कि ईरान उन्हें अगला सुप्रीम लीडर बनाना चाहता है। हाल ही में आयोजित रिपब्लिकन कार्यक्रम में उन्होंने ऐसा दावा किया है। हालांकि, इस पर ईरान ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। ट्रंप का बयान ऐसे समय पर आया है, जब खबरें हैं कि ईरान की तरफ से अमेरिका की युद्धविराम की मांग को खारिज कर दिया गया है। ट्रंप ने पाकिस्तान के जरिए ये मांगें ईरान तक पहुंचाई थीं।

ट्रंप ने दावा किया, 'उनकी बहुत ज्यादा इच्छा समझौता करने की है, लेकिन ऐसा कहने से डर रहे हैं। क्योंकि उन्हें पता है कि उन्हें उनके लोग ही मार देंगे। उन्हें इस बात का भी डर है कि वो हमारे हाथों मारे जाएंगे।'

ट्रंप ने कहा, 'दुनिया में किसी भी देश का ऐसा कोई नेता नहीं रहा होगा, जो ईरान का प्रमुख बनने से इतना बचना चाहता हो। हमने उन्हें साफ तौर पर कहते सुना है। वे कहते हैं, मुझे यह पद नहीं चाहिए। हम आपको अगला सुप्रीम लीडर बनाना चाहते हैं, तो वे कहते हैं, नहीं, शुक्रिया। मुझे यह नहीं चाहिए।'

अमेरिका का दावा- बात जारी है

वाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत जारी है, जबकि ईरानी अधिकारी इससे इनकार कर रहे हैं। लीविट ने बुधवार को व्हाइट हाउस में एक प्रेस वार्ता में कहा, 'बातचीत जारी है। जैसा कि राष्ट्रपति ने सोमवार को कहा था, यह सार्थक है और आगे भी जारी रहेगी।' ईरान ने इस बात पर जोर दिया कि वह अपने बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम या उन क्षेत्रीय सशस्त्र समूहों को दिए जाने वाले समर्थन को लेकर कोई चर्चा नहीं करेगा, जिसे वह अपनी सुरक्षा के लिए अहम मानता है।

बाकेर गालिबाफ को ट्रंप ने बताया 'सबसे सही आदमी'

पश्चिम एशिया की इस्राइल, अमेरिका-ईरान जंग आज अपने 27वें दिन में है। इस युद्ध में अब तक 3,000 से ज्यादा जानें गई हैं और अरबों डॉलर का नुकसान किया है। कच्चे तेल की कीमत असमान छू रही हैं। यह 100 डॉलर के ऊपर बनी हुई हैं। इस संकट के चलते लोखों लोग बेघर हो चुके हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया कि वे ईरानी शासन के सही लोगों से बात कर रहे है जो कि समझौता करना चाहते है।

कौन हैं मोहम्मद बाकेर गालिबाफ?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप जिस 'सही आदमी' की बात कर रहे हैं, वह ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकेर गालिबाफ हैं। 64 साल के गालिबाफ का जन्म 1961 में मशहद के पास हुआ था। वह एक अनुभवी युद्ध सेनानी, लड़ाकू पायलट और सैन्य खुफिया अधिकारी रहे हैं। उन्होंने 1982 में जहरा सादात मुशीर से शादी की थी और उनके तीन बच्चे हैं। गालिबाफ 12 साल तक तेहरान के मेयर भी रहे हैं। उनके कार्यकाल में शहर के बुनियादी ढांचे में काफी सुधार हुआ, लेकिन उन पर भ्रष्टाचार के आरोप भी लगे।

ट्रंप को सार्वजनिक रूप से कह चुके है भला-बुरा!

हैरानी की बात यह है कि गालिबाफ ने सार्वजनिक रूप से ट्रंप को भला-बुरा कह चुके हैं और उन्हें सबक सिखाने की कसम खाई थी। जबकि ट्रंप ने अब उन्हें ही एक 'समझदार और सम्मानित' व्यक्ति बताया है। हालांकि, गालिबाफ ने अमेरिका से किसी भी तरह की बातचीत से साफ इनकार किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, र के साथ कोई बातचीत नहीं हुई है। यह फेक न्यूज़ है। अमेरिका अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए ऐसी खबरें फैला रहा है।

बंगाल में राम नवमी पर 'हाई अलर्ट', 3 हजार पुलिसकर्मी तैनात

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में राम नवमी के अवसर पर निकलने वाली शोभा यात्राओं को लेकर प्रशासन ने कमर कस ली है। राज्य सचिवालय 'नबन्ना' में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक के बाद यह स्पष्ट कर दिया गया है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए पूरे राज्य में लगभग 3,000 अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, 'यदि शोभा यात्रा नियमों के अनुरूप नहीं निकाली गई तो उसे तत्काल रोक दिया जाएगा और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।' अधिकारी ने बताया, 'हावड़ा, चंदननगर और इस्लामपुर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल समेत केंद्रीय बलों को अलर्ट पर रखा गया है और जरूरत पड़ने पर उन्हें तैनात किया जाएगा।' सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के लिए राज्य सचिवालय नबन्ना में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में मुख्य सचिव, गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक, एडीजी (कानून व्यवस्था) और सभी जिलों के जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षकों ने भाग लिया।

सागर-कानपुर हाइवे पर तेज रफ्तार का कहर, वाहन की टक्कर से 3 युवकों की मौत

सागर। मध्य प्रदेश से गुजरे नेशनल हाईवे 86 पर रात भीषण दुर्घटना में 3 युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। सागर कानपुर नेशनल हाइवे पर बंडा के नजदीक ये हादसा हुआ है। यहां ग्राम सौरई के पास एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वाहन की रफ्तार काफी तेज थी, जिसने अचानक बाइक सवार तीनों लोगों को टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

बेहद तेज रफ्तार में था टक्कर मारने वाला वाहन: एसडीओपी प्रदीप बाल्मीकि ने बताया, '' सागर से कानपुर तक फोर-टू सिक्स लेन सड़क का निर्माण सागर से दलपतपुर तक पूरा हो चुका है। इसलिए नेशनल हाइवे से गुजरने वाले वाहन तेज रफ्तार से निकलते हैं। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि एक अज्ञात वाहन काफी तेज रफ्तार में था और उसने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही मैं पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचा और घटनास्थल का जायजा लेने के बाद तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।''

22 राज्यों में आंधी-तूफान और बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी

मौसम विभाग ने देश के कई हिस्सों में मौसम में बड़े बदलाव का अलर्ट जारी किया है। दो सक्रिय पश्चिमी विक्षोभों के प्रभाव से उत्तर भारत, पूर्वोत्तर और मध्य भारत सहित करीब 22 राज्यों में आंधी-तूफान, बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर-पश्चिम भारत में अगले दो दिनों तक तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन इसके बाद धीरे-धीरे गिरावट दर्ज की जाएगी।

हिमालयी क्षेत्रों में बारिश-बर्फबारी: जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी हो सकती है। वहीं, उत्तर-पश्चिमी मैदानी इलाकों में 31 मार्च तक रुक-रुक कर वर्षा होने के आसार हैं।

उत्तर भारत में आंधी-बारिश की चेतावनी: पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में गरज-चमक के साथ तेज बारिश की संभावना जताई गई है। इस दौरान 30 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जिससे जनजीवन प्रभावित हो सकता है।

पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत में भारी बारिश: मौसम विभाग ने अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 29 मार्च तक बीच व्यापक वर्षा, बिजली गिरने और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की है। वहीं, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है।

मध्य और दक्षिण भारत में भी रहेगा असर

छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और विदर्भ क्षेत्र में हल्की बारिश के साथ आंधी-तूफान के आसार हैं। दक्षिण भारत के तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और केरल में अगले पांच दिनों तक गरज-चमक और तेज हवाएं चलने की संभावना है। वहीं, तटीय महाराष्ट्र और केरल में 2६ से 27 मार्च के दौरान गर्म और उमस भरा मौसम बना रह सकता है।

मेट्रो एंकर

सोनिया गांधी 2 दिनों से दिल्ली के सर गंगा राम हॉस्पिटल में हैं भर्ती

मां की हो रही चिंता, पूरी रात सोफे पर सोया: राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस पार्लियामेंट्री पार्टी की चेयरपर्सन सोनिया गांधी पिछले दो दिनों से दिल्ली के सर गंगा राम हॉस्पिटल में एडमिट हैं। सोनिया को पेट और यूरिनरी इंफेक्शन के चलते मंगलवार रात 10:22 बजे भर्ती कराया गया था। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी मां की देखभाल के लिए अस्पताल में ही रहे। राहुल ने कांग्रेस के सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया। बताया, 'मैं हॉस्पिटल में अपनी मां के कमरे में एक छोटे से सोफे पर सो रहा था। मैं भी हर बेटे की तरह अपनी मां की सेहत को लेकर बहुत परेशान हूं। हालांकि केरल की नर्स ने मेरी मां का बहुत ख्याल रखा, जिससे उन्हें राहत मिली।'

दरअसल राहुल सोनिया की खराब तबीयत के चलते बुधवार को संसद भवन में हुई सर्वदलीय बैठक में भी शामिल नहीं हुए। वहीं, केरल में उनका दौरा भी रद्द कर दिया गया था। उनकी जगह मल्लिकार्जुन खड़गे गए। राहुल ने सभा को वर्चुअली संबोधित किया। वर्चुअली संबोधन में राहुल ने कहा कि कल रात, मैं हॉस्पिटल में अपनी मां के कमरे में एक छोटे से सोफे पर सो रहा था। जैसे कि कोई भी बेटा अपनी मां की सेहत को लेकर परेशान रहता है, मैं भी परेशान था।पूरी रात, मुझे सिर्फ एक चीज से सुकून मिला। मुझे केरल की एक नर्स से सुकून मिला जो हर घंटे मेरी मां को देखने आती थी। हर एक घंटे, वह आकर उन्हें देखती थी। वह मुस्कुराती थी और उनका हाथ पकड़ती थी। मैंने सोचा कि केरल की नर्सों ने कितने बेटों, बेटियों, भाइयों और बहनों को उनके सबसे मुश्किल पलों में सुकून दिया है।

सोनिया गांधी की सेहत में हो रहा सुधार, जल्द मिल सकती है अस्पताल से छुट्टी

राज्यसभा सांसद और कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी का सर गंगाराम अस्पताल में उपचार जारी है। अस्पताल के चेयरमैन डॉ. अजय स्वरूप ने बताया की सोनिया गांधी का इलाज सिस्टमिक इन्फेक्शन के लिए एंटीबायोटिक्स से किया जा रहा है। यह इलाज डॉ. डी.एस. राणा, डॉ. एस. नंदी और डॉ. अरूप बसु की देखरेख में चल रहा है और इलाज का उन पर असर भी दिख रहा है। बता दें कि तबियत बिगड़ने पर मंगलवार रात करीब साढ़े दस बजे उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इससे पहले अस्पताल के चेयरमैन डॉ. अजय स्वरूप ने बताया था कि पेट और यूरिनरी ट्रैक्ट में संभावित संक्रमण की जांच के लिए विभिन्न टेस्ट किए गए हैं। एहतियात के तौर पर उन्हें एंटीबायोटिक्स दी गई हैं और उनकी स्थिति पर करीबी नजर रखी जा रही है। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की उपचार योजना तय की जाएगी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564